@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 18 जनवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 49 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महाराष्ट्र में विधायकों की अयोग्यता के मामले में 22 जनवरी को सुनवाई

नई दिल्ली, 17 जनवरी। महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर के विधायकों की अयोग्यता से जुड़े फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई उद्धव शिवसेना की याचिका पर अब 22 जनवरी को सुनवाई होगी। उद्धव गुट की तरफ से सोमवार को दायर याचिका पर पहले 19 जनवरी को सुनवाई तय की गई थी, हालांकि अब इस पर 22 जनवरी को सुनवाई होगी। बताया गया है कि उद्धव गुट की तरफ से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच से मांग की थी कि इस याचिका पर शुक्रवार (19 जनवरी) की जगह सोमवार (22 जनवरी) को सुनवाई हो। इस पर सीजेआई ने हामी भर दी। गौरतलब है कि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने जून 2022 में विभाजन के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट को वास्तविक शिवसेना घोषित किया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। विधानसभाध्यक्ष ने शिंदे सहित सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की ठाकरे गुट की याचिका को भी खारिज कर दिया था। अयोग्यता याचिकाओं पर अपने फैसले में 10 जनवरी को विधानसभा अध्यक्ष ने प्रतिद्वंद्वी खेमों के किसी भी विधायक को अयोग्य नहीं ठहराया था। इस फैसले ने मुख्यमंत्री के रूप में शिंदे की स्थिति को और मजबूत कर दिया। शिंदे ने 18 महीने पहले ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

हरिद्वार जा रहे ऑल इंडिया सिख कॉफ्रेंस बब्बर को पुलिस ने रोका

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 जनवरी। हर की पैड़ी हरिद्वार में गुरु नानक साहिब गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी स्थापित किए जाने की मांग को लेकर यात्रा के रूप में हरिद्वार जा रहे सिख समुदाय के जत्थे को पुलिस प्रशासन ने हिमाचल-उत्तराखंड सीमा पर कुल्हाल बॉर्डर पर रोक लिया। जत्थे को रोके जाने पर संगत ने आक्रोश प्रकट करते हुए इसे अधिकारों का हनन करार दिया। बॉर्डर पर पुलिस प्रशासन के साथ करीब एक घंटे तक वार्ता हुई, ऑल इंडिया सिख कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष गुरचरण सिंह बब्बर के नेतृत्व में पांच वाहनों में सवार होकर जत्था दोपहर 12ः40 बजे पांवटा साहिब हिमाचल पहुंचा। यहां माथा टेकने के बाद जत्था दोपहर 2ः10 बजे कुल्हाल बॉर्डर पहुंचा। जहां पहले से मौजूद भारी पुलिस ने पुल पर बैरीकेड लगाकर वाहनों को रोक लिया। पुलिस प्रशासन की ओर से रोके जाने पर गुरचरण सिंह बब्बर ने कहा कि हर की पैड़ी में सिखों का 460 साल पुराना गुरुद्वारा है। हम सबके साथ मिलकर समाज की सेवा करना चाहते हैं। हम केवल अपना हक-अधिकार मांग रहे है। गुरु के प्रकाश पर्व पर उन्हें हरिद्वार में जाकर स्नान और अरदास आदि करने से रोका जाना, उनके अधिकारों का हनन है। रोके जाने पर जत्थे में शामिल लोगों ने ज्ञान गोदरी गुरूद्वारा साहिब लेकर रहेंगे के नारे लगाए। सभी लोगों को पुलिस चौकी के पीछे बने शेड में ले जाया गया। सुरक्षा की दृष्टि से बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। कोतवाली के साथ ही कालसी, सहसपुर, सेलाकुई थाना पुलिस के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के खुसफिया विभाग के पुलिस कर्मी भी सतर्क रहे। तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, सीओ भाष्कर शाह, कोतवाली प्रभारी राजेश साह के समझाने पर जत्थे में शामिल सभी लोग वाहनों में सवार होकर वापस दिल्ली लौट गए।

कुल्हाल बॉर्डर पर रोकी ज्ञान गोदड़ी यात्रा, संगत में आक्रोश।

समुद्री डकैती से निपटने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत तैयार

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारतीय व्यापारिक जहाजों को समुद्री डकैती से बचाने के लिए फारस की खाड़ी, सोमालिया तट और अदन की खाड़ी में भारतीय नौसेना के युद्धपोत को तैनात किया गया है। भारतीय नौसेना के वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने इसकी जानकारी दी। वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने कहा, भारतीय नौसेना की प्रमुख भूमिका हमारे समुद्री हितों की रक्षा करना है। इसमें समुद्री मार्गों से होने वाले व्यापार की रक्षा करना भी शामिल है। मौजूदा समय में हिंद महासागर क्षेत्र में हमने अपने जहाजों को तैनात किया है। लाल सागर, सोमालिया तट और अदन की घाड़ी में हुए घटना के बाद हमने जहाज तैनात करना शुरू किया। हमने वहां बड़ी संख्या में लड़ाकों को तैनात किया है, जिसमें कोलकाता श्रेणी के विध्वंशक, कई फ्रिगेट और अन्य जहाज शामिल हैं। गणतंत्र दिवस परेड को लेकर वाइस एडमिरल ने बताया कि इस साल का थीम आत्मनिर्भरता है। उन्होंने कहा, गणतंत्र दिवस पर हम जो झांकी प्रस्तुत करने जा रहे हैं उसका थीम आत्मनिर्भरता है। इस झांकी में स्वदेशी तरीके से तैयार आईएनएस विक्रांत को दर्शाया जाएगा, जिसे दो साल पहले चालू किया गया था। इसके साथ ही स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी को भी दर्शाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, हम नारी शक्ति को भी प्रदर्शित करेंगे। नौसेना में कुल 600 महिला अधिकारी है। यह संख्या आगे जाकर बढ़ने वाली है। महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को भी धीरे धीरे स्थाई कमीशन दिया जा रहा है। अग्निवीर योजनाओं में महिलाओं को भी शामिल किया जा रहा है।

नीतीश जदयू अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पार्टी दफ्तर पहुंचे

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 17 जनवरी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल यूनाईटेड का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पार्टी दफ्तर पहुंचे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बिहार की 40 सीटों के बंटवारे पर राष्ट्रीय जनता दल समेत शेष सहयोगी दलों से समझौता नहीं हुआ है और इस बीच बुधवार को धुंध-ठंड के बीच नीतीश अपनी पार्टी के नेताओं से सीट शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर बात करने पहुंचे हैं। जदयू कार्यालय से लेकर संगठन तक में अध्यक्ष बदलने के बाद अब क्या बदलाव होंगे, उसकी एक तरह से आज ही शुरुआत होगी। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने अध्यक्ष बनने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समानांतर जदयू दफ्तर के दोनों द्वार पर एलईडी लाइट वाली अपनी भी तस्वीर लगवाई थी। अब सीएम भी नीतीश हैं और अध्यक्ष भी वही, ऐसे में देखना होगा कि गेट में बदलाव होता है या नहीं। इसके अलावा, अबतक संगठन में बदलाव के लिए कुछ नहीं किया गया है। जदयू अध्यक्ष रहते ललन सिंह ने जिन्हें, जो जिम्मेदारी दी थी- वह कायम है। अब नए अध्यक्ष नीतीश कुमार इसमें फेरबदल करते हैं या विस्तार के नाम पर कुछ बदलाव करते हैं तो उसकी शुरुआत एक तरह से आज हो जाने की संभावना है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा नीतीश कुमार की पसंद से ही आए थे और जदयू के लव-कुश समीकरण के हिसाब से कुशवाहा होने के कारण जगह पर दिख रहे हैं, इसलिए वहां छेड़छाड़ की उम्मीद नहीं है। चुनाव के बावजूद राष्ट्रीय अध्यक्ष बदले जा चुके हैं, इसलिए कोई कुर्सी पक्की नहीं- यह भी एक तय बात है। अब भूमिहार की जगह एक बार फिर लव, यानी कुर्मी वर्ग के प्रतिनिधि नीतीश कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी पर हैं। सीट शेयरिंग को लेकर सवाल पूछने पर लालू प्रसाद यादव नकार चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग इतनी जल्दी थोड़ी हो जाती है। उनके इस बयान के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू कार्यालय पहुंचे हैं। लालू प्रसाद यादव के बयान के बाद जदयू में अब यह चर्चा जोरों पर है कि जदयू में सीट शेयरिंग कैसे होगी? किस सीट पर कौन लड़ेगा और किन्हे कौन सी जिम्मेदारी दी जाएगी? जहां एक ओर जदयू के बड़बोले नेता गोपाल मंडल सहित कई अन्य नेता और विधायक अलग-अलग जगहों से संसदीय सीटों पर दावा ठोक रहे हैं।

हेट स्पीच के मामले में विधायक अब्बास अंसारी पर आरोप तय

मऊ, 17 जनवरी। बीते विधानसभा के आम चुनाव के दौरान हेट स्पीच और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के दो मामलो में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की पेशी कासगंज जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। सीजेएम एमपी/एमएलए श्वेता चौधरी ने हेट स्पीच के मामले में अब्बास अंसारी आदि पर आरोप तय किए। साक्ष्य के लिए 30 जनवरी तथा दूसरे मामले में हाजिरी के लिए 29 जनवरी की तिथि नियत की है। दोनों मामले शहर कोतवाली क्षेत्र के हैं। पहले मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/ 22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि 3 मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोककर हिसाब-किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी। पुलिस ने विवेचना में मामले में धारा 506, 171 एफ,186,189,153 ए, 120बी भादवि में सदर विधायक अब्बास अंसारी व उसके भाई उमर अंसारी, इलेक्शन एजेंट गाजीपुर जनपद के पुरानी कचहरी यूसुपुर मुहम्मदाबाद निवासी मंसूर अंसारी के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया है। मामले में उमर अंसारी की पत्रावली अलग कर दी गई है। अब्बास अंसारी सहित अन्य आरोपियों के विरुद्ध सीजेएम ने आरोप तय किया तथा साक्ष्य के लिए 30 जनवरी की तिथि नियत की।

न्यायपालिका में भी आरक्षण होना चाहिए था: जितेंद्र आव्हाड

कौमी संवाददाता

मुंबई, 17 जनवरी। शरद पवार गुट के एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने एक बार ऐसा बयान दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल इस बार उन्होंने न्यायपालिका पर सवाल उठाया है। जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को न्यायपालिका में भी आरक्षण का प्रावधान करना चाहिए था। साथ ही उन्होंने न्यायपालिका के कुछ फैसलों पर जातिवादी होने का भा आरोप लगाया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि मुझे आज दुख होता है बाबा साहेब अंबेडकर को न्यायपालिका में भी आरक्षण रखना चाहिए था। मैं इस पर नहीं बोलूंगा क्योंकि इससे विवाद हो सकता है। लेकिन कुछ फैसलों से हमें जातिवाद की बू आ रही है।

न्यायपालिका से इसकी उम्मीद नहीं की जाती। उसे निष्पक्ष होना चाहिए और जातिवाद से बाहर रहना चाहिए। संविधान में ऐसी ही उम्मीद की गई थी, लेकिन क्या ऐसा हो रहा है। आव्हाड ने नागपुर के एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने विधायकों की अयोग्यता को लेकर जो फैसला दिया, उसे दिल्ली में टाइप किया गया था। आव्हाड ने ये भी आरोप लगाया कि भाजपा भगवान राम के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी जितेंद्र आव्हाड के एक बयान पर भारी विवाद हुआ था। आव्हाड ने भगवान राम को मांसाहारी बता दिया था, जिस पर लोगों ने आव्हाड की तीखी आलोचना की थी। विवाद बढ़ने पर आव्हाड ने अपने बयान को लेकर माफी भी मांगी थी। जितेंद्र आव्हाड अक्सर अपने बयानों से भाजपा पर हमला बोलते रहते हैं। बीते दिनों उन्होंने ये भी दावा किया था कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में अपने सहयोगियों एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी को भी छोड़ने की योजना बना रही है।

सीएम पटनायक ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के हेरिटेज कॉरिडोर का किया उद्घाटन

पुरी, 17 जनवरी। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को 800 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट हेरिटेज कॉरिडोर का उद्घाटन कर दिया। यह प्रोजेक्ट ऐतिहासिक पुरी जगन्नाथ मंदिर के चारों तरफ बनाया गया है। हेरिटेज कॉरिडोर को श्रीमंदिर परिक्रमा प्रकल्प नाम दिया गया है। पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव और लगभग 90 मंदिरों के प्रतिनिधियों एवं हजारों भक्तों की उपस्थिति में सीएम पटनायक ने श्री मंदिर परिक्रमा प्रकल्प का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम नवीन पटनायक ने कहा कि भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से यह परियोजना संभव हुई है। इस प्रोजेक्ट के तहत मंदिर के आसपास पार्किंग स्थल, श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए सड़क और पुल, श्रद्धालुओं के लिए सुविधा केंद्र, क्लॉकरूम, शौचालय और कई अन्य सुविधाओं का विकास किया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर तीर्थ नगरी पुरी को फूलों, रंग बिरंगी रोशनी और भित्तिचित्रों से सजाया गया है। ओडिशा सरकार ने साल 2019 में पुरी जगन्नाथ मंदिर के हेरिटेज कॉरिडोर प्रोजेक्ट का एलान किया था। जिसके तहत सरकार ने मंदिर के चारों तरफ 75 मीटर के कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। ग्रीन बफर जोन, पैदल पथ, एक रिसेप्शन सेंटर, कल्चरल सेंटर, लाइब्रेरी, जगन्नाथ बल्लभ तीर्थ क्षेत्र का निर्माण किया गया है। साथ ही भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर, संबलपुर के समलेश्वरी मंदिर और बेरहमपुर के तारा तारिणी मंदिर में भी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी।

आयुष्मान भारत योजना से देशवासियों के एक लाख करोड़ रुपये बचे: पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

तिरुवनंतपुरम, 17 जनवरी। पीएम मोदी ने कहा कि एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में बीते नौ सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। वहीं कांग्रेस के पांच दशकों के शासन में सिर्फ गरीबी हटाओं का नारा दिया गया। इससे पता चलता है कि हमने विकसित भारत का जो रास्ता चुना है, वह सही है। हमें अपने मतदाताओं को यह बताना होगा कि 10 साल पहले देश में हर दूसरे दिन आतंकी घटनाएं होती थीं, जिससे निवेश और विदेश में रहने वाले हमारे लोग प्रभावित होते थे। एलडीएफ और यूडीएफ गठबंधन का घोटालों का इतिहास रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा हमने त्रिशूर में नारी शक्ति सम्मेलन के दौरान केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं की ताकत देखी थी। मैं अपने निजी अनुभव से बता सकता हूं कि एक मजबूत संगठन ही इतने बड़े सम्मेलन का आयोजन कर सकता है। इससे पता चलता है कि आप बहुत कोशिश कर रहे हैं। भाजपा एकमात्र राजनीतिक पार्टी है, जिसका तेज विकास और भविष्य के लिए विजन रखने का रिकॉर्ड है। प्रधानमंत्री एर्नाकुलम में पार्टी के शक्तिकेंद्र प्रभारी सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका सम्मान और स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बात करते हुए मुझे हमेशा खुशी मिलती है क्योंकि यही राज्य में पार्टी

को मजबूत करने के लिए काम करते हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की कोशिश है कि भाजपा चमकती रहे। मैं उन सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं, जो अपनी विचारधारा और देशभक्ति के लिए समर्पित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा भाजपा की प्राथमिकता लोगों की आय बढ़ाने के साथ ही देशवासियों की बचत बढ़ाना भी है। आयुष्मान भारत योजना के तहत देशवासियों को करीब करीब एक लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। अब तक जन औषधि केंद्रों की वजह से लोगों के 25 हजार करोड़ रुपये बचे हैं। पीएम मोदी ने कहा आज भारत वैश्विक व्यापार का केंद्र बन रहा है। ऐसे में हम भी अपनी समुद्री ताकत को बढ़ा रहे हैं। आज देश को अपना सबसे बड़ा ड्राई डॉक मिला है। साथ ही जहाज निर्माण, जहाजों की मरम्मत और एलपीजी आयात टर्मिनल की सुविधा का भी उद्घाटन किया गया है। इन सभी सुविधाओं से शिपयार्ड की क्षमताओं में कई गुना इजाफा होगा। मैं इन सुविधाओं के लिए केरल के लोगों को बधाई देता हूं। कोच्चि में परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज सुबह गुरुवयूर मंदिर में पूजा करने का अवसर मिला, जो मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। कुछ दिन पहले अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करते हुए मैं केरल में रामायण से संबंधित चार मंदिरों की बात कर रहा था।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह को बताया भाजपा का कार्यक्रम: स्वामी प्रसाद

जौनपुर, 17 जनवरी। सपा के राष्ट्रीय महासचिव व एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर का उसी दिन स्वागत किया था, जिस दिन सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था। जिस तरह भाजपा करोड़ों लोगों के आराध्य भगवान रामलला का राजनीतिकरण कर रही है ये उचित नहीं है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भाजपा के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का कार्यक्रम बना दिया। इसका किसी अन्य राजनीतिक दलों से कोई लेना-देना नहीं है। ये बातें स्वामी प्रसाद मौर्य ने बुधवार को काशीराम इंटर कॉलेज भगौतीपुर शीतला चौकियां में पूर्व मंत्री पारसनाथ मौर्य की श्रद्धांजलि सभा में कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा के चिह्नित किए गए लोगों के नामों की सूची पहले मंदिर ट्रस्ट को भेजी जाती है तब ट्रस्ट के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी उन्हीं को आमंत्रित करते हैं, जिनको भाजपा चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निमंत्रण मिलने के सवाल पर कहा कि जब यह पूरा आयोजन ही भाजपा का है तो उसमें दूसरे दल के नेता क्यों जाएंगे।

मदुरई-तिरुपति मंदिर का निर्माण भी प्राण प्रतिष्ठा के बाद हुआ: रविशंकर

नई दिल्ली, 17 जनवरी। ज्योतिषमठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने निर्माणाधीन राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताई है। उनकी इस आपत्ति पर

बुधवार को आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर ने बताया कि कई मंदिर ऐसे हैं जिनका निर्माण प्राण प्रतिष्ठा के बाद किया गया है। रविशंकर ने कहा कि शंकराचार्य एक विचारधारा के हैं। लेकिन यहां ऐसे अन्य प्रावधान भी है, जो प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर के निर्माण की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, ऐसे कई प्रावधान है जहां प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर का निर्माण किया जा सकता है। तमिलनाडु के शिवलिंग में भगवान राम ने खुद ही शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की थी। उस समय मंदिर नहीं होते थे। उनके पास मंदिर बनाने का समय नहीं था। उन्होंने पहले प्राण प्रतिष्ठा की और बाद में मंदिर का निर्माण हुआ। श्री श्री रविशंकर ने आगे बताया कि मदुरई मंदिर और तिरुपति बालाजी मंदिर में भी ऐसा ही हुआ था। यहां भी मंदिर का निर्माण बाद में किया गया था। अयोध्या में मंदिर की आवश्यकता को उचित ठहराते हुए श्री रविशंकर ने कहा कि उस गलती को सुधारा जा रहा है जो 500 साल पहले हुई थी। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक ने कहा, यह सच होने वाला सपना जैसा है। पिछले पांच दशक से लोग इस मौके का इंतजार कर रहे हैं। यह उस गलती को सुधार रहा है जो 500 साल पहले हुई थी। इसलिए इसका जश्न मनाना बनता है। उन्होंने आगे बताया कि यहां कई ऐसे समाज है जो धार्मिक है, लेकिन खुश नहीं है। वहीं कुछ ऐसे समाज भी है, जो खुश हैं, लेकिन धार्मिक नहीं है। एक आदर्श समाज को हमेशा राम राज कहकर ही संबोधित किया जाता है। जहां सभी को बराबर माना जाता है। सबी के लिए न्याय समान होता है और सभी खुश एवं धार्मिक होते हैं। श्री रविशंकर ने बताया कि भारत उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उड़ानों में देरी पर शशि थरूर-ज्योतिरादित्य सिंधिया में जुबानी जंग

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 जनवरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बीच कोहरे के कारण उड़ान में देरी और दिल्ली हवाईअड्डे पर अव्यवस्था को लेकर विवाद हो गया। कांग्रेस नेता ने इसे मोदी सरकार द्वारा निर्मित आपदा बताकर केंद्र पर निशाना साधा। इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनपर पलटवार करते हुए कहा कि थरूर थिसॉरस (शब्द भंडार) की अपनी गूढ़ दुनिया में खोए हुए हैं। उनके इंटरनेट से चुनिंदा प्रेस लेखों का डेटा संकलन शोध के रूप में उपयोगी है। उन्होंने एक के बाद एक छह एक्स पोस्ट कर केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर अराजकता नागरिक उड्डयन मंत्रालय की उपेक्षा और अक्षमता का परिणाम है। विश्व के अन्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों जैसी आधुनिक सुविधाएं यहां स्थापित करने में नागरिक उड्डयन मंत्रालय विफल रही है। थरूर ने आरोप लगाया कि भारत का विमानन क्षेत्र खस्ता हालत में है। नागरिक मंत्रालय यह सुनिश्चित करने में फेल साबित हुआ है कि दिल्ली और अन्य भारतीय शहरों

में हवाई अड्डे ऐसे वैश्विक मानक के हों कि शून्य दृश्यता में भी विमान वहां उतर सकें। अपनी पोस्ट में उन्होंने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की तस्वीरें भी साझा की। साथ ही कहा कि दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर नया सीएटी ढुढ्ढु-बी (श्रेणी ढुढ्ढु) रनवे बनाया गया है। इस रनवे पर उन्नत लैंडिंग सिस्टम बनाया गया है। कोहरा होने या दृश्यता 50 मीटर से भी कम होने पर भी पायलट इस पर उतार सकते हैं। इसे 2008 में 1,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, दिल्ली में चार रनवे हैं, जिनमें से दो ष्टञ्ज ढुढ्ढु-क्र हैं। मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में दो ष्टञ्ज ढुढ्ढु-क्र रनवे में से एक पर रखरखाव का काम शुरू कर दिया। जबकि उन्हें पता था कि सर्दी शुरू होने से पहल यह पूरा नहीं हो पाएगा। अगली पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पायलटों को भी सीएटी ढुढ्ढु-क्रइंस्ट्रूमेंट लैंडिंग के साथ उतरने के लिए ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। बावजूद इसके उन्हें ट्रेनिंग नहीं दी गई। इतना ही नहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और ष्ठतष्ट को यह तक नहीं पता है कि एयरलाइंस के पास पर्याप्त प्रशिक्षित पायलट हैं या नहीं। कांग्रेस नेता के इन आरोपों पर नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए है जो थिसॉरस की गूढ़ दुनिया में खो गए हैं। यहां आर्म-चेयर आलोचक शशि थरूर और कांग्रेस आईटी सेल के लिए कुछ जरूरी तथ्य दिए गए हैं। जो नागरिक उड्डयन जैसे तकनीकी क्षेत्रों की समझ में उनकी कमी से निपटने में मदद कर सकते हैं। सिंधिया ने कहा कि रनवे के रखरखाव का काम विमानों की उड़ान और यात्रियों की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रनवे के रखरखाव के साथ कोई भी समझौता सीधे यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालता है।

'आठ फरवरी को देश को हैरान कर देगी PTI'; आम चुनाव से पहले जेल में बंद पूर्व पीएम ने दिया बड़ा संकेत

क्वीटो। पाकिस्तान में अगले महीने आम चुनाव होने हैं। इससे पहले पूर्व पीएम इमरान खान ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी आठ फरवरी को होने वाले चुनावों में अपने प्लान 'सी' से आश्चर्यचकित कर देगी। उन्होंने कहा कि हम प्लान ए' और प्लान बी' की विफलता के बाद तैयार हैं। हालांकि 'प्लान सी' से उनका क्या तात्पर्य था, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। गौरतलब है कि इमरान कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि उन्होंने ये दावा जेल में पत्रकारों से बात करते हुए किया। उन्होंने अपनी रणनीति बताते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व को पता था कि उनके खिलाफ साजिश करने वाले विरोधी उनकी योजनाओं को बर्बाद कर देंगे। इसलिए पीटीआई ने वैकल्पिक रणनीतियों पर काम किया है। खान ने दावा किया कि पीटीआई सरकार के खिलाफ एक साजिश रची गई थी। इतना ही नहीं, साजिश के तहत पार्टी के लगभग 10,000 कार्यकर्ताओं को सलाखों के पीछे डाल दिया गया था और उनकी पार्टी को खत्म करने के प्रयास भी पूरे जोरों पर थे। इस दौरान उन्होंने अपने जेल मुकदमे का सीधा प्रसारण करने की भी मांग की। इमरान ने कहा कि देश को यह समझने की जरूरत है कि अदालत में क्या हो रहा है। इस दौरान इमरान खान ने सिफर मुद्दे के पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने उन्हें सिफर मुद्दे पर चुप रहने के लिए दो-तिहाई बहुमत की पेशकश की थी। साथ ही इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उजागर करने की कोशिश करने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

अपनी ही नीति में फंसा चीन, जनसंख्या में फिर आई गिरावट, बच्चे पैदा करने से बच रहे लोग

बीजिंग। चीन में जनसांख्यिकी में आ रही गिरावट को लेकर लगातार चिंता बढ़ रही है। चीन की सरकार ने वार्षिक आंकड़े जारी किए। जिनके अनुसार, चीन में साल 2023 में आबादी में 20 लाख की गिरावट आई। बीते छह दशकों में पहली बार साल 2022 में चीन की आबादी में गिरावट दर्ज की गई थी। इसकी वजह चीन में जन्म दर में आई तेज गिरावट को बताया जा रहा है। दरअसल चीन ने कई साल पहले अपनी बढ़ती जनसंख्या को कम करने के लिए वन चाइल्ड पॉलिसी लागू की हुई थी।

चीन में जन्म दर में आई गिरावट

वन चाइल्ड नीति की वजह से चीन की जन्म दर में तेज गिरावट आई है और अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था आबादी में गिरावट की समस्या से जूझ रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले सालों में चीन में यह समस्या और भी विकराल हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या फंड डाटा के अनुसार, भारत अब चीन को पछाड़कर दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है। भारत की जनसंख्या पिछले साल 142.86 करोड़ दर्ज की गई। चीन की आबादी 140 करोड़ है। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिक्स ने बताया है कि चीन में बीते साल 90 लाख बच्चे पैदा हुए, जो कि साल 2022 में पैदा हुए 95.6 लाख बच्चों से 5 प्रतिशत कम हैं।

न्यूजीलैंड की पहली 'शरणार्थी' सांसद पर लगे दुकान से चोरी के आरोप, सौंपा इस्तीफा

विलनियस। न्यूजीलैंड में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है। यहां एक सांसद पर दुकानों से चोरी करने के आरोप लगे हैं। इस मामले के सामने आने के बाद सांसद गोलरिज घारमन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि गोलरिज न्यूजीलैंड की पहली सांसद हैं, जो कि शरणार्थी रही हैं। उन्हें 2017 में देश की पहली शरणार्थी सांसद के तौर पर शपथ दिलाई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलरिज पर आरोप हैं कि उन्होंने दो कपड़े के स्टोर्स से चोरी की। इस खुलासे के बाद सांसद ने सफाई दी थी कि उन्होंने इन चोरियों को तनाव और मानसिक स्वास्थ्य में समस्याओं के कारण अंजाम दिया। 43 वर्ष की गोलरिज इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकार मामलों की वकील रही हैं। वे मूलतः ईरान से हैं।

मामले पर गोलरिज ने कहा, 'मैं माफी चाहती हूं। मेरे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर यही होगा कि मैं सांसद पद से इस्तीफा दे दूं।' उन्होंने अपने बयान में चोरी से जुड़ी किसी घटना का जिक्र नहीं किया, हालांकि उन्होंने यह कहा कि वे अपने बर्ताव पर कोई सफाई नहीं देना चाहतीं, क्योंकि यह तार्किक नहीं होगा। ग्रीन पार्टी के नेता जेम्श शॉ ने गोलरिज का बचाव करते हुए कहा कि सांसद बनने के बाद से ही उन्हें यौन हिंसा, शारीरिक हिंसा के साथ-साथ मौत की धमकियां भी मिल चुकी हैं और पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है। इसके चलते बाकी सांसदों के मुकाबले उन्हें ज्यादा तनाव से गुजरना पड़ा। ग्रीन पार्टी ने कहा कि गोलरिज हमेशा से शरणार्थियों के अधिकारों के लिए लड़ती रही हैं। 2020 में उन्होंने खुद बताया था कि वे कई मानसिक समस्याओं से जूझ रही हैं।

'लंबे समय तक हमारे साथ काम...'; भारतवंशी रिपब्लिकन नेता रामास्वामी के समर्थन से ट्रंप उत्साहित

वाशिंगटन। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव 2024 कराए जाने हैं। इसी बीच अमेरिकी प्रांत न्यू हैंपशायर से बड़ी खबर सामने आई है। रिपब्लिकन नेताओं की रेस में आगे चल रहे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी का समर्थन मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि रामास्वामी का समर्थन दिखाता है कि वे लंबे समय तक उनके साथ काम करने वाले हैं। दिलचस्प है कि चुनाव से पहले कराए गए एक सर्वे के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रेट प्रत्याशी बाइडन पर बढ़त बना सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि राष्ट्रपति बाइडन के वर्तमान कार्यकाल से जनता बहुत खुश नहीं है।

रामास्वामी का समर्थन सम्मान की बात

गौरतलब है कि अमेरिका में चार चरणों में होने वाले चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आयोवा कॉकस के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। इसमें पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को बड़ी जीत मिलने की खबर है। जीत के बाद न्यू हैंपशायर के एटकिंशन में रैली करने पहुंचे ट्रंप ने रामास्वामी से मुलाकात कर उनके समर्थन के लिए आभार प्रकट किया। भारतीय-अमेरिकी नेता को धन्यवाद देते हुए ट्रंप ने कहा, रिपब्लिकन पार्टी के नेता के रूप में रामास्वामी लंबे समय तक

उनके साथ काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारतवंशी नेता का समर्थन पाना उनके लिए सम्मान की बात है।

ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट देशभक्त'

रामास्वामी भी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल थे, लेकिन कॉकस चुनाव के बाद उनका जनाधार कमजोर साबित हुआ। व्हाइट हाउस की रेस में शामिल रामास्वामी आयोवा में चौथे नंबर पर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 में पिछड़ने के बाद रामास्वामी ने ट्रंप के समर्थन का फैसला लिया। इससे ट्रंप की स्थिति और मजबूत हो गई है। रामास्वामी ने रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों और मतदाताओं को 'अमेरिका फर्स्ट देशभक्त' (America First patriot) नेता ट्रंप का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ट्रंप से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। लोगों को उनका समर्थन करना ही चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप और रामास्वामी अपने अभियान के दौरान पहले भी एक-दूसरे की तारीफ करते रहे हैं।

ट्रंप 21वीं सदी के 'महानतम राष्ट्रपति'

रामास्वामी के अभियान की सराहना करते हुए ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह उनके साथ लंबे समय तक काम करने को तैयार हैं। ट्रंप ने भरोसा जताया है कि वह बहुत अच्छे रिपब्लिकन नेता साबित होंगे। बता दें कि ट्रंप के खिलाफ चार गंभीर आरोपों का मुखर विरोध करने वाले चुनिंदा नेताओं में भारतवंशी विवेक रामास्वामी का नाम सबसे आगे रहा है। रामास्वामी ने ट्रंप को 21वीं सदी का %महानतम राष्ट्रपति% करार दिया। उन्होंने कहा था कि अगर वे राष्ट्रपति बनते हैं तो बाइडन के खिलाफ तमाम मामलों को निरस्त करना, पदभार ग्रहण करने के बाद पहला फैसला होगा।

भारतीय छात्रों का कनाडा से मोहभंग, परमिट में 86 फीसदी गिरावट; खालिस्तान से जुड़े विवाद का असर

टोरंटो। भारत और कनाडा के संबंध पहले जैसे नहीं है। निज्जर की हत्या के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान को लेकर भारत ने कनाडा के साथ राजनयिक संबंधों पर कड़ा रूख अख्तियार किया है। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में शिक्षा भी अहम भूमिका निभाती है। बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पढ़ाई करने कनाडा जाते हैं। ताजा घटनाक्रम में भारतीय छात्रों का मोहभंग होने की बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के आप्रवासन मंत्री मार्क मिलर ने भी कहा है कि भारत से आने वाले छात्रों की संख्या निकट भविष्य में बढ़ेगी, इसकी संभावनाएं क्षीण हैं।

कम संख्या में आवेदन किए भारतीय छात्र

कनाडा जाने के लिए भारतीय छात्रों को जो परमिट मिलता है, उसमें लगातार गिरावट देखी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लगभग 86 फीसदी कम भारतीय छात्रों को परमिट मिले हैं। कनाडा सरकार के बड़े अधिकारी ने बताया है कि पिछले साल के अंत में परमिट में तेज गिरावट देखी गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि

भारत ने परमिट की प्रक्रिया पूरी करने वाले कनाडाई राजनयिकों को देश से बाहर निकाल दिया। खालिस्तान मुद्दे पर विवाद के बीच भारत की सख्ती का नतीजा यह भी हुआ कि कनाडा में पढ़ाई के लिए पहले की तुलना में काफी कम छात्रों ने आवेदन किए।

भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को निकाला

दोनों देशों के तल्ख रिश्तों के बीच आप्रवासन मंत्री मिलर का मानना है कि शिक्षा जगत पर इस तनाव का बुरा असर पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि तनाव के कारण भारत से आने वाले आवेदन कम हुए हैं। साथ ही इनको प्रोसेस करने में जुटे अधिकारियों की संख्या भी लगभग आधी हो चुकी है। बता दें कि बीते अक्तूबर में कनाडा के 41 राजनयिकों को भारत से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

अंतिम तिमाही में केवल 14,910 छात्रों को परमिट

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक तनाव के कारण पिछले साल की चौथी तिमाही में भारतीय छात्रों को जारी परमिट पिछली तिमाही की तुलना में 86 फीसदी गिरावट आई। जुलाई-सितंबर तिमाही में 1,08,940 परमिट जारी किए थे। अंतिम तिमाही में केवल 14,910 छात्रों को परमिट जारी किए गए। ओटावा में भारतीय उच्चायोग के एडवाइजर सी गुरुस उब्रमण्यम ने कहा, कुछ भारतीय अंतरराष्ट्रीय छात्र कनाडाई संस्थानों में हॉस्टल और पढ़ाई के स्तर में कथित गिरावट के कारण भी दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

कनाडा के खजाने में सालाना 13.64 खरब रुपये का राजस्व

यह भी रोचक है कि 2022 में कनाडा जाने वाले कुल छात्रों में 41 फीसदी भारतीय (2,25,835 छात्र) थे। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों के जाने से कनाडा की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। अनुमान के मुताबिक सालाना लगभग 22 बिलियन कनाडाई डॉलर यानी 16.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई होती है। भारतीय राशि में इतनी रकम 13.64 खरब रुपये होती है।

पाकिस्तान में दंगा मामले में पूर्व मंत्री शेख रशीद गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते नौ मई को हुए दंगों के मामले में पूर्व आंतरिक मंत्री एवं आवामी मुस्लिम लीग के प्रमुख शेख रशीद को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद गत नौ मई को संवेदनशील प्रतिष्ठान में तोड़फोड़ और हमले की योजना बनाने का आरोप है। पूर्व मंत्री रशीद गत नौ मई के दंगा मामलों में दर्ज 14 मामलों में जमानत के लिए एटीसी के सामने पेश हुए। पूर्व मंत्री को 14 में से 13 में जमानत दे दी गई। हालांकि उनके खिलाफ न्यू टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज दंगा मामले में उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई। एक निजी चैनल से बातचीत में रशीद ने कहा कि वह गत 40 दिन से चिल्ला (भूमिगत) थे। इस दौरान उन्हें कई चीजों पर विचार करने का मौका मिला। इस दौरान मुझे किसी ने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा पाकिस्तान की सेना के साथ खड़े हैं और उन्होंने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान को भी सेना के साथ अच्छे संबंध रखने की सलाह दी। गत नौ मई को पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने में शामिल 103 संदिग्धों का सैन्य ट्रायल लगभग पूर्ण हो चुका है। 90 प्रतिशत मामलों में संदिग्ध दोषी पाए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण फैसला नहीं सुनाया गया है उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की गिरफ्तारी के विरोध में पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवली एयरबेस और फैसलाबाद स्थित आईएसआई भवन सहित एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई थी।

डोनाल्ड ट्रम्प ने आयोवा कॉकस में जीत का जश्न मनाया, कहा-अमेरिका की सेवा के लिए बना हूं

डेस मोइनेस (आयोवा)। अमेरिकी प्रांत आयोवा में मिली जीत से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गदगद हैं। उन्होंने जीत का जश्न मनाते हुए कहा कि वह अमेरिका की सेवा के लिए बने हैं। ट्रम्प ने 2024 के चुनाव के पहले रिपब्लिकन प्राइमरी आयोवा कॉकस में शानदार जीत हासिल की। उन्हें 51 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह जीत उनकी रिपब्लिकन पार्टी पर स्थायी पकड़ का स्पष्ट संकेत है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प की जीत के 30 अंकों के अंतर ने आयोवा रिपब्लिकन कॉकस में प्रतिस्पर्धा का एक रिकॉर्ड बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, बावजूद इसके ट्रम्प को पूरे साल अदालती तारीखों का

सामना करना होगा। उनके खिलाफ 91 मामले दर्ज हैं। वह कल मानहानि मुकदमे के सिलसिले में न्यूयॉर्क कोर्ट हाउस में उपस्थित हुए। यह मुकदमा लेखिका ई. जीन कैरोल से संबंधित है। कैरोल ने पूर्व राष्ट्रपति पर बलात्कार का आरोप लगाया है। इसके बाद ट्रम्प एक रैली के लिए न्यू हैम्पशायर चले गए।

इस बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि ईश्वर ने उन्हें अमेरिका का ध्यान रखने के लिए ही बनाया है। तीन मिनट के वीडियो में उन्होंने कहा है कि 14 जून, 1964 को भगवान ने सोचा कि अमेरिका को एक केयर टेकर की जरूरत होगी, इसी वजह उन्हें पैदा किया गया । अमेरिका को एक मजबूत और साहसी इंसान की जरूरत है, जो भेड़ियों से न डरे। आयोवा में जीत के बाद ट्रंप ने मतभेदों को भुलाकर अमेरिका को बाइडेन के कब्जे से आजाद कराने की अपील की है। उन्होंने इसके लिए सभी रिपब्लिकन उम्मीदवारों से समर्थन करने की अपील की है।

जापान के न्यू चिटोज हवाई अड्डे पर 2 यात्री विमान टकराए, कई उड़ानें रद्द

टोक्यो। देश के उत्तरी हिस्से में साप्पोरो शहर से लगभग 110 मील पूर्व में होक्काइडो के न्यू चिटोज हवाई अड्डे पर स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 5:30 बजे दो विमान आपस में टकरा गए।कोरियन एयर के विमान ने कैथे पैसिफिक विमान को टक्कर मार दी, लेकिन इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जापान के राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि होक्काइडो में हवाईअड्डे पर कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और कुछ समय तक व्यवधान जारी रहने की आशंका है। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार कोरियाई एयर के विमान और कैथे पैसिफिक विमान के बीच 'संपर्क' था, लेकिन इस समय यह स्पष्ट नहीं है कि विमानों के बीच टक्कर कितनी गंभीर थी। अग्निशमन विभाग के अनुसार कोरियन एयर के विमान ने कैथे पैसिफिक विमान को टक्कर मार दी, जो दुर्घटना के समय गेट पर खड़ा था और उसमें कोई यात्री नहीं था। कोरियन एयर के विमान में 276 यात्री और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मौसम की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि जापान के उत्तरी हिस्से में दृश्यता वर्तमान में खराब है। कुछ क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की सूचना दी गई है और दुर्घटना के समय न्यू चिटोज हवाई अड्डे पर तापमान सिर्फ 24 डिग्री से नीचे है। इससे पहले 2 जनवरी को टोक्यो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे पर 2 विमान आपस में टकरा गए थे। 367 यात्री और चालक दल के 12 सदस्यों वाले यात्री विमान के उतरने के दौरान रनवे पर तटरक्षक विमान से टकराने के बाद ये हादसा हुआ था।

ईरान की एयरस्ट्राइक से बौखलाया पाकिस्तान, कहा- इस कार्रवाई का अंजाम बुरा भी हो सकता है

ईरान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ईरान की एयरस्ट्राइक में दो बच्चों की मौत हो गई। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तानी सरकार ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी संप्रभुता का उल्लंघन करना अस्वीकार्य है। इस कार्रवाई का अंजाम बुरा भी हो सकता है। दरअसल, ईरान ने पाकिस्तान में घुसकर बलोच उग्रवादी संगठन जैश अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाया था।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने हमारे हवाईक्षेत्र का उल्लंघन किया है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। पाकिस्तान में हमले के कारण दो मासूमों की मौत हो गई। जबकि, तीन लड़कियां घायल हो गई। पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन अस्वीकार्य है। ईरान को मालूम होना चाहिए कि इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पाकिस्तान हमेशा कहता है कि आतंकवाद सभी देशों के लिए एक साझा खतरा है। इसके लिए मिलकर कार्रवाई की जा सकती है। एकतरफा कार्रवाई अच्छे पड़ोसी के लक्षण नहीं है। यह कार्रवाई द्विपक्षीय विश्वास को गंभीर रूप से कमजोर बनाता है। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 50 किलोमीटर

अंदर घुसकर कार्रवाई की है। उन्होंने बलूचिस्तान के पंजगुर जिले की एक मस्जिद को भी नष्ट कर दिया। अरिपोर्ट के अनुसार, जैश अल-अदल का गठन 2012 में हुआ था, जिसे ईरान आतंकवादी संगठन मानता है। ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान-बलूचिस्तान में स्थित यह एक सुन्नी आतंकवादी समूह है। पिछले कुछ वर्षों में जैश अल-अदल ने ईरानी सुरक्षा बलों पर कई हमले किए हैं। दिसंबर में जैश अल-अदल ने सिस्तान-बलूचिस्तान में एक पुलिस चौकी पर हमले की जिम्मेदारी ली, जिसमें 11 पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी। एक दिन पहले, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने इराक के उत्तरी शहर एरिबल के पास स्थित इस्राइल की मोसाद एजेंसी पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। साथ ही गार्ड्स ने सीरिया में भी इस्लामिक स्टेट आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। आंतकी समूहों आईएस की सभाओं को तबाह करने के लिए भी ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया था।

'रूस के खिलाफ यूक्रेन को समर्थन देते रहेंगे', वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में बोले अमेरिका के एनएसए

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा है कि अमेरिका आगे भी यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। जैक सुलिवन का यह बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के खिलाफ लड़ाई में उन्हें अमेरिका और यूरोप के समर्थन की जरूरत होगी। मंगलवार को वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के एक सत्र को संबोधित करते हुए जैक सुलिवन ने यह बात कही।

अमेरिकी एनएसए बोले- आगे भी मदद करते रहेंगे

जैक सुलिवन ने उम्मीद जताई कि जल्द शांति होगी। उन्होंने कहा 'हम सभी के लिए

शांति और सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं अगर हम सभी मिलकर समझदारी भरे और बड़े फैसले करें। अमेरिका और हमारे सहयोगी देश आगे भी उनकी (यूक्रेन) मदद करते रहेंगे।' अमेरिका यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को भी निशाना बना रहा है, ऐसे में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। इस पर सुलिवन ने कहा कि %सैन्य कार्रवाई और कूटनीति के जरिए हम तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि ऐसे हालात बनें, जिससे युद्धविराम हो और तनाव को बढ़ने से रोका जाए।'

'इस्राइल को दे सकते हैं मान्यता अगर...', सऊदी अरब के विदेश मंत्री का बड़ा दावा

दुबई। सऊदी के विदेश मंत्री ने कहा है कि उनका देश इस्राइल को मान्यता दे सकता है। उन्होंने कहा कि मान्यता देने से पहले व्यापक समझौता करना होगा। इसमें फलस्तीनी लोगों को भी राज्य का दर्जा देना होगा। विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद का बयान इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि बीते लगभग साढ़े तीन महीने से इस्राइल और हमास का हिंसक संघर्ष जारी है। सात अक्तूबर से शुरू हुई इस लड़ाई में अब तक 25 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

क्षेत्रीय शांति में इस्राइल की अहम भूमिका, मान्यता देने से पहले...

प्रिंस फैसल ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर एक पैनल में कहा, 'सऊदी इस बात पर सहमत है कि क्षेत्रीय शांति के नजरिए से इस्राइल की भूमिका अहम है। हालांकि, फलस्तीनियों लोगों की मांग पूरी करना भी अहम है।' उन्होंने फलस्तीन को अलग राज्य की मान्यता देने का भी समर्थन किया। इस्राइल को राजनीतिक मान्यता देने के सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा, सऊदी निश्चित रूप से इस्राइल को मान्यता देने पर विचार करेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए व्यापक राजनीतिक समझौता जरूरी है।

मान्यता देना गाजा के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक, अमेरिका सऊदी साथ

सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल ने बताया कि फलस्तीन को अलग देश के रूप में मान्यता देकर क्षेत्रीय शांति का लक्ष्य हासिल करने के लिए अमेरिकी प्रशासन के साथ गंभीरता से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गाजा के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक है।

सऊदी के फैसले से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में होगा बड़ा बदलाव

खबरों के मुताबिक अगर सऊदी इस्राइल को मान्यता देता है तो यह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बड़ी सफलता होगी। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को इस्राइल के साथ राजनतिक संबंध स्थापित कर चुके हैं। इसके बाद इस्राइल और सऊदी के बीच समान्यीकरण समझौता पश्चिम एशिया या मिडिल ईस्ट की भूराजनीतिक तस्वीर बदल सकता है।

इस्राइल की योजना पर अमेरिकी प्रभाव, युद्ध के 100 से अधिक दिन बीते

सऊदी की भूमिका इसलिए भी अहम है क्योंकि सुन्नी मुस्लिम समुदाय के शासन वाला यह देश दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्कों में गिना जाता है। राजनीतिक-आर्थिक क्षमता के अलावा इसका धार्मिक प्रभाव भी काफी अधिक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्तूबर, 2023 में इस्राइल पर हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद सऊदी ने इस्राइल को मान्यता देने की योजना ठंडे बस्ते में डाल दी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गुरु गोबिंद सिंह जयंती पर गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब पहुंचे जेपी नड्डा, टेका मत्था

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में प्रार्थना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, 'आज मुझे गुरु गोबिंद सिंह के 'प्रकाश पर्व' पर गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में मत्था टेकने और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। मैं प्रार्थना करता हूं कि देश में शांति बनी रहे।' उधर, हरियाणा के सीएम एमएल खट्टर ने आज सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर अंबाला के गुरुद्वारा लखनौर साहिब में पूजा-अर्चना की।

ठंड से बचने के लिए जलाई अंगीठी बनी काल; दिल्ली में दम घुटने से बिहार के परिवार के चार लोगों की मौत

दिल्ली। बिहार के मुंगेर के शामपुर थाना क्षेत्र के मंझगांय गांव के एक ही परिवार के चार सदस्यों की दिल्ली में दम घुटने के कारण मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दिल्ली के अलीपुर थाना के खेड़ाकलां में रात एक घर में कोयले की अंगीठी से निकलने वाले धुएं से दम घुटने के कारण घटना घटित हुई है। मंझगांय गांव के राकेश उर्फ दीनानाथ उर्फ दिनकर (40), पत्नी ललिता देवी (38), बेटे पीयूष (08) और सनी (07) की मौत हो गई। मृतक दीनानाथ उर्फ दिनकर परिवार का एक मात्र कमाऊ सदस्य था।

दिल्ली में ही किया गया दाह संस्कार

मृतक के चचेरे भाई रामगुलाम सिंह ने बताया कि ठंड की वजह से कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर पूरा परिवार सो गया था। उसके बाद अंगीठी से निकलने वाले धुएं की वजह से दम घुटने से कमरे में सो रहे चारों लोगों की मौत हो गई। रविवार की सुबह इस घटना की खबर मिली, उसके बाद से परिवार में मातम पसर गया है। गांव के लोग एक ही दिन परिवार के चार सदस्यों की मौत से गमगीन हैं। पोस्टमार्टम के बाद चारों का दाह संस्कार दिल्ली में ही रह रहे अन्य परिजनों ने करवाया।

दिल्ली के कई इलाकों में 18 और 19 जनवरी को बाधित रहेगी पानी की आपूर्ति, जल बोर्ड ने दी यह सलाह

पूर्वी दिल्ली। सोनिया विहार डब्ल्यूटीपी पर फ्लोमीटर लगाने और रखरखाव कार्य के कारण 18 जनवरी को सुबह 10:00 बजे से 16 घंटे तक पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। कैलाश नगर, सराय काले खां, वसंत कुंज, कालकाजी, शाहपुर जट, छतरपुर, लाजपत नगर, मूलचंद अस्पताल, ग्रेटर कैलाश, ओखला, ओखला सब्जी मंडी सहित अन्य काफी क्षेत्रों में 18 जनवरी की शाम से लेकर 19 जनवरी की सुबह तक जल की आपूर्ति नहीं हो सकेगी।

इन इलाकों में प्रभावित रहेगी पानी का आपूर्ति

कैलाश नगर, सराय काले खां, जल विहार, लाजपत नगर, मूलचंद अस्पताल, ग्रेटर कैलाश, वसंत कुंज, देवली, अंबेडकर नगर, ओखला, कालकाजी, कालकाजी एक्सटेंशन, जीबी पंत पॉलिटेक्निक, श्याम नगर कॉलोनी, ओखला सब्जी मंडी, अमर कॉलोनी, दक्षिणपुरी, पंचशील पार्क, शाहपुर जाट, कोटला मुबारकपुर, सरिता विहार, सिद्धार्थ नगर, अपोलो, जीके नॉर्थ, मालवीय नगर, डीयर पार्क, गितांजली, श्रीनिवासपुरी, जीके साउथ, छतरपुर, एनडीएमसी के इलाके और इसके आसपास के कुछ जगह। पानी की समस्या होने पर क्षेत्रवासी निम्नलिखित नंबरों पर काल कर सकते हैं।

200 रूम वाले बन रहे है 3 नये कोर्ट कॉम्प्लेक्स, आतिशी ने कहा- केस निपटाने में आएगी तेजी

दिल्ली। दिल्ली में ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने की दिशा में केजरीवाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. दिल्ली सरकार की वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि राजधानी में 3 नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा. उन्होंने बताया है कि सरकार ने रोहिणी सेक्टर-26, शास्त्री पार्क और कड़कड़डूमा में 1098.5 करोड़ की लागत से नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाने की दी मंजूरी दी है.उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद दिल्ली के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में करीब 200 नए कोर्ट रूम बढ़ेंगे. कानूनी मामलों को तेजी से निपटाने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि जल्द और सुलभ न्याय हर भारतीय का मूल अधिकार है यह तभी संभव है जब न्यायालयों में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो.दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि वर्तमान में देश भर में न्यायाधीशों और अदालतों पर लंबित मुकदमों का बहुत बोझ है।

दिल्ली सरकार छह शहीद जवानों के परिवार को देगी एक-एक करोड़ की सम्मान राशि

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दिल्ली के छह शहीद जवानों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देगी। केजरीवाल सरकार दिल्ली पुलिस में तैनात एएसआई ओम प्रकाश व एएसआई राघेश्याम, भारतीय सेना में तैनात मेजर रघुनाथ व कैप्टन जयंत जोशी, दिल्ली सिविल डिफेंस कर्मी पुनीत गुप्ता और फायर ऑपरेटर प्रवीर कुमार के परिवार को यह सम्मान राशि देगी। इस संबंध में राजस्व विभाग से आए प्रस्ताव को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी मंजूरी दे दी है।

इस बाबत दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी ने बताया कि दिल्ली सरकार सेना, पुलिस, पैरामिलिट्री, दिल्ली सिविल डिफेंस, होम गार्ड के जवानों की बहादुरी का सम्मान करती है। हमारी सरकार वर्दी पहनने वाले हर एक उस जवान की कद्र करती है जो अपनी जान पर खेल कर देश और समाज की रक्षा करते हैं। दिल्ली सरकार इनके जज्बे को सलाम करती है।

राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि सरकार में आते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाने वाले शहीदों के परिवारों को एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने शुरू किया। इस सम्मान राशि से शहीदों के परिवारों के नुकसान की भरपाई तो नहीं की जा सकती, लेकिन उनके परिवार को एक सम्मान जनक जीवन जीने में थोड़ी मदद ज़रूर मिलेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने 6 बहादुर सिपाहियों की शहादत को नमन करते हुए उनके परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार हमेशा शहीदों के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। दिल्ली सरकार की यह योजना देश की सेवा कर रहे उन सभी वर्दीधारी सैनिकों को यह आत्म विश्वास देती है कि सरकार और समाज उनके परिवार के साथ है।

-एएसआई ओम प्रकाश, दिल्ली पुलिस

एएसआई ओम प्रकाश ओखला इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस स्टेशन में तैनात थे। घटना के दिन वो सी-लाल चौक पर पिकेट ड्यूटी पर तैनात थे। जब वो अपने सहयोगी के साथ चौक पर वाहनों की जांच कर रहे थे, तभी लगभग 11:45 बजे उन्हें एक मोटरसाइकिल पर उनकी तरफ आते तीन लोग दिखे। जब उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर रहे मोटरसाइकिल सवारों को रोकने की कोशिश की, तो मोटरसाइकिल

सवारों ने उन्हें टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल की टक्कर लगने से एएसआई ओम प्रकाश गिर गए और उनका सिर सड़क से टकरा गया, उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें एम्स ले जाया गया। वहां कुछ समय तक इलाज चलने के बाद वो शहीद हो गए।

-मेजर रघुनाथ, भारतीय सेना

द्वारका निवासी मेजर रघुनाथ भारतीय सेना की तीसरी बटालियन, पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज) में थे। संभावित घुसपैठ के बारे में एजेंसियों की खुफिया जानकारी के आधार पर 5 मई 2022 को सुखदार, जम्मू-कश्मीर में उनके द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। लगभग 10:45 बजे, मौसम खराब हो गया। घने कोहरे और बारिश से हालात बिगड़ गए और इस दौरान मेजर रघुनाथ, लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पास जोखिम भरे इलाके से ऑपरेशन के दौरान फिसलकर सलामाबाद नाले में गिर गए और उनके सिर पर गंभीर चोट लगी। बचाव दल उन्हें नजदीकी अस्पताल लेकर गई लेकिन तब तक मेजर रघुनाथ शहीद हो चुके थे।

-पुनीत गुप्ता, दिल्ली सिविल डिफ़ेंस

पांडव नगर निवासी पुनीत गुप्ता परिवहन विभाग में तैनात थे और घटना के दिन फील्ड ड्यूटी पर तैनात थे। वाहनों की जांच के दौरान रात 12:40 बजे ढांसा की ओर से एक ट्रक टेढ़े-मेढ़े तरीके से आ रहा था। ट्रक को पुनीत गुप्ता रुकने का इशारा किए, लेकिन ट्रक ने रुकने की बजाय उन्हें टक्कर मार दी। वो गिर गए और ट्रक से कुचल गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें बेहोशी की हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

-प्रवीण कुमार, फायर ऑपरेटर

प्रवीण कुमार भोरगढ़ फायर स्टेशन में तैनात थे। सीआईएसएफ कैंप के पास एच-ब्लॉक में एक डिस्पोजेबल प्लेट बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने की घटना सामने आई है। आज बुझाने के अभियान के दौरान इमारत का पिछला हिस्सा ढह गया, जिससे प्रवीण कुमार सहित कई अग्निशमन कर्मी झुलस गए। उन्हें तुरंत लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जलने के बाद सेप्टिसेमिक शॉक के कारण इलाज के दौरान प्रवीण कुमार जी शहीद हो गए।

-एएसआई राधे श्याम, दिल्ली पुलिस

एएसआई राधे श्याम को बुराड़ी सर्कल में दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक पुलिस यूनिट में प्नियुक्त किया गया था। उन्हें आउटर रिंग रोड, आईटीआई धीरपुर के सामने, दिल्ली में ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। ड्यूटी के दौरान एएसआई राधेश्याम ने एक ट्रक को वजीराबाद मुकरबा चौक की ओर आते देखा। ट्रक का ड्राइवर ग़लत लेन में ट्रक चला रहा था। एएसआई राधेश्याम ने ट्रक को रुकने का इशारा किया, लेकिन जैसे ही उस ट्रक ने ब्रेक लगाया, वह सड़क पर आ रही दूसरी एक गाड़ी ने उन्हें टक्कर मारी और एएसआई राधेश्याम गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

-कैप्टन जयंत जोशी, भारतीय सेना

द्वारका निवासी कैप्टन जयंत जोशी भारतीय सेना की 254 आर्मी एवन स्क्वाड्रन (एएलएच) में तैनात थे। 03 अगस्त 2021 को कैप्टन जयंत जोशी को एक अभ्यास अभियान के लिए हेलीकॉप्टर के को-पायलट के रूप में नियुक्त किया गया। अभ्यास के दौरान उनका हेलीकॉप्टर लैंडिंग दुर्घटनाग्रस्त होकर पठानकोट के रंजीत सागर बांध में गिर गया और उस दुर्घटना में कैप्टन जयंत जोशी शहीद हो गए।

नोएडा में श्रमिक व किसान यूनियनों का जिला मुख्यालय पर धरना,पुलिस बल तैनात

नोएडा। बीती 4 जनवरी को मानीताऊ कंपनी पर घरना-प्रदर्शन के दौरान सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में आज मजदूर व किसान संगठनों तथा विभिन्न श्रमिक यूनियनों ने संयुक्त रूप से जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर पर प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने बताया कि सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा पर हुआ हमला निंदनीय है। हमारी मांग है कि दोषियों पर दर्ज एफआईआर में गंभीर धाराएं बढ़ाई जाए। घरना-प्रदर्शन के दौरान सीटू महासचिव रामसागर के अलावा इंटक, एटक, एचएमएस, ऐक्टू, यूटीयूसी, टीयूसीआई, एलपीएफ, यूपीएलएफ,

एसटीएफ, एकेएस, जेएमएम, किसानों व महिला संगठन आज के प्रदर्शन में शामिल हुए। बता दें कि मानीताऊ कंपनी से श्रमिकों को निकाले जाने के विरोध में 4 जनवरी को कंपनी के गेट पर पर धरना प्रदर्शन कर रहे मजदूरों पर कंपनी के वाउंसरों ने हमला किया था। जिसमें मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा घायल हो गए थे। हमले की वीडियो भी वायरल हुई। जिसमें हमलावरों ने हाथ में डंडे, लाठी, लात, घुसों से गंगेश्वर दत्त शर्मा को जमकर पीटा। हमले वाले दिन ही पुलिस को हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट लिख दी थी। श्रमिकों की मांग है कि दोषियों पर दर्ज एफआईआर में गंभीर धाराएं नहीं लगाई गई है। इससे संगठन के लोगों में रोष व्याप्त है।

नोएडा में नर्सरी से लेकर 8वीं तक के स्कूल का समय बदला, 10 बजे सुबह से लगेगी कक्षाएं

नोएडा। नोएडा में जिला प्रशासन ने कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के स्कूल को खोलने का फैसला तो लिया है, लेकिन उनके समय में बड़ा बदलाव किया है। जिला अधिकारी की तरफ से जारी किए गए पत्र के मुताबिक, नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के स्कूलों का समय सुबह 10 बजे किया जाना अनिवार्य किया गया है। नए आदेश का पालन नहीं करने पर कार्रवाई भी की जाएगी। गुरुवार 18 जनवरी से खुलने वाले नर्सरी से लेकर 8वें तक के स्कूल अब सुबह 10 बजे खुलेंगे। गौतमबुद्ध नगर डीएम की ओर से इस सिलसिले में आदेश जारी किया गया है। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने सभी बोर्ड के स्कूलों में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक बच्चों की 16 जनवरी तक छुट्टी करने के आदेश दिए थे। इसी क्रम में 18 जनवरी 2024 से डीएम के अगले आदेश तक गौतमबुद्ध नगर के बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन आने वाले सभी बोर्ड के स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। जनपद में कल यानी गुरुवार से कक्षा नर्सरी से 8वीं तक के बच्चों को सुबह 10 बजे से स्कूल जाना होगा। इसके आदेश डीएम मनीष कुमार वर्मा ने दिए हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि घने कोहरे और अत्यधिक ठंड के कारण गौतमबुद्ध नगर में बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित समस्त बोर्ड से मान्यता प्राप्त कक्षा नर्सरी से 8वीं तक के स्कूलों का संचालन सुबह 10 बजे से करने के आदेश गौतमबुद्ध नगर डीएम ने दिया है। यह आदेश सभी बोर्ड के सभी स्कूलों पर लागू होगा।

गाजियाबाद में कपड़ा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर राख

गाजियाबाद। गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया में रात एक कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने की इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया है।बीती देर रात 2:10 पर फायर कंट्रोल रूम ने लोनी फायर स्टेशन पर ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रीयल एरिया में एक कपड़े की फैक्ट्री में आग लगने की सूचना दी। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल दोनों फायर टेंडर के साथ फायर सर्विस यूनिट लोनी फायर स्टेशन से घटनास्थल पर रवाना हुईं। आग ट्रॉनिका सिटी

इंडस्ट्रीयल एरिया के सेक्टर ए -1 में स्थित 'प्लॉट संख्या एफ-19 (प्लॉट एरिया 450 वर्गमीटर) पर बने तीन मंजिला भवन में संचालित सना गारमेंट्स नामक फैक्ट्री के भूतल पर लगी थी। तत्काल फायर सर्विस यूनिटस ने होज पाईप फैलाकर और नज़दीक की फैक्ट्रीज में उपलब्ध जल स्त्रोतों से पानी भर-भरकर फायर टेंडर से पम्पिंग कर आग को बुझाना शुरू किया। आग काफी तेजी से फैल रही थी, इसलिए जनपद के अन्य फायर स्टेशन से फायर टेंडर को भी बुलाया गया। कड़ी मेहनत से कुछ ही समय में लोनी फायर स्टेशन के दोनों फायर टेंडर ने आग के फैलाव को कंट्रोल कर आग को सीमित दायरे में घेर लिया और उसे बुझा दिया।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने किया DTC बस से सफर, सुनीं यात्रियों की शिकायतें

दिल्ली। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और लोगों से फीडबैक लेने के लिए दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मंगलवार को डीटीसी बस में यात्रा की. वो जंतर-मंतर बस स्टॉप से बस संख्या 729बी में चढ़ें और पुलिस कॉलोनी, मेहराम नगर तक गए. इस दौरान उन्होंने यात्रा के लिए वन दिल्ली ऐप का इस्तेमाल कर डिजिटल टिकट खरीदा और यात्रियों से बातचीत कर उन्हें ऐप उपयोग करने का तरीका भी बताया. कैलाश गहलोत ने यात्रियों को वन दिल्ली ऐप के जरिए डिजिटल टिकट, रीयल-टाइम बस ट्रैकिंग और ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया सहित कई सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया. दिल्ली में प्रदूषण को कम करने में सार्वजनिक परिवहन की अहम भूमिका पर जोर देते हुए परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने दिल्लीवासियों से अपील की. उन्होंने कहा कि - मैं दिल्ली के लोगों से सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्राथमिकता देने का आग्रह करता हूं।

अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आ गया ओएनडीसी ने नम्मा यात्री ऐप

नई दिल्ली। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किफायती

ऑटो सेवा का आगाज किया है। ओएनडीसी ने इसके लिए नम्मा यात्री ऐप सेवा शुरू की है। नम्मा यात्री ऐप को सबसे पहले 2020 में कोच्चि में लॉन्च किया गया था। फिलहाल नम्मा यात्री ऐप ओएनडीसी नेटवर्क के सात शहरों में संचालित है। दिल्ली के परिवहन मंत्री ने कैलाश गहलोत ने 24 घंटे पहले दिल्ली में नम्मा यात्री ऐप को लॉन्च। यह ऑटोरिक्शा बुकिंग ऐप है। गहलोत ने कहा, इससे ड्राइवरों को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। दिल्ली में रोजाना ऑटो की 40 लाख से अधिक ट्रिप होती हैं। मेट्रो में यात्रियों की संख्या हर दिन 65 लाख से अधिक है। ओएनडीसी, भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की महत्वपूर्ण पहल है। इसका मकसद छोटे खुदरा विक्रेताओं को डिजिटल कॉमर्स का फायदा उठाने में मदद करने के वास्ते सुविधाजनक मॉडल तैयार करना है। दावा किया गया है कि यह ऐप जीरो कमीशन पर काम करता है। इसका फायदा ऑटो रिक्शाचालकों के साथ यात्रियों को भी होता है। विज्ञप्ति के अनुसार दिल्ली में नम्मा यात्री ऐप पर अब तक 10,000 से अधिक ड्राइवरों ने पंजीकरण कराया है। इस मौके पर परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक विकास कुमार सहित कई गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

NAME CHANGE

I, Bharat s/o Dharam Chand r/o HNO 88 firozpur zhirka mewat haryana have change my name to Bharat Gulati for all purposes.

NAME CHANGE

I,Monika W/o Vijay Kumar Kalhera R/o H.no-495 Housing Board Colony, Sector-2p Huda Rohtak Haryana -124001 Have Change My Name From Monika To Monika Kalhera For All Purposes

NAME CHANGE

I, Babloo S/o Rampal R/o V.P.O. Jawa, Charkhi Dadri, Haryana-127310 Have Changed My Name To Babloo Yadav for All Purpose

NAME CHANGE

I, Mohinder Singh S/o Karam Singh R/o Bainsi(109), District-Rohtak, Haryana-124514 I Have Changed My Name To Mahender Singh For All Purpose.

खोया-पाया

मैं रविंदर कुमार सुपुत्र श्री बलबीर सिंह निवासी R -233 मंगोलपुरी N -ब्लॉक , नार्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110083 जनसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरा ओरिजिनल BBA, Receipt & Allotment Letter of फ्लोर नंबर KWF-38/TF और ग्राहक आई डी नंबर-KWF/00028, वाटर साइड फ्लोरस, सोनीपत, हरियाणा, टी डी आई के खो गए है। जिसको भी मिले मेरे फ़ोन नंबर 9810610134 पर संपर्क

NAME CHANGE

I, Burari Lal Verma S/o Sohan Lal Verma R/o 2/86, 3rd floor, Roop Nagar, North Delhi-110007, do hereby declare that my actual & correct name is Burari Lal Verma. That I declare of my name as Kamal Kishore Verma and Burari Lal Verma is one and the same person.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Amit Verma S/O Hans Raj R/O E-210, Pandav Nagar, Delhi-110091. declare that name of my minor daughter has been wrongly written as DHRISTI VERMA in my minor daughter's namely DHRISTI DHEDHA aged 12 years in her School documents. The actual name of my minor daughter is DHRISTI DHEDHA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Vijay Kumar S/o Kanwal Singh R/o H.no-495 Houseing Board Colony,Sector-2p Huda,Rohtak haryana-124001 Have Change My Name From Vijay Kumar To Vijay Kumar Kalhera For All Purposes

NAME CHANGE

I, Sonam Motwani W/o Amit Nagpal R/o F-131, Raheja Atlantis, Sector-31, Gurgaon, Haryana-122001,Have Changed My Name To Sonam Nagpal For All Purpose

NAME CHANGE

I, Kulbhushan Garg S/0 Mahender Pal R/o L-1101, Designarch Apartment, Sector- 5, Vaishali, Ghazibad 201010 Uttar Pradesh do hereby declare that my Father's actual & correct name is Mahender Pal. That I declare of my father's name as Mahender Garg and Mahender Pal is one and the same person.

PUBLIC NOTICE

This is inform to general public that my client Sh. Vishnu Dutt Sharma S/o Lt. Sh. Dhig Ram and Smt. Murti Devi W/lo Sh. Vishnu Dutt Sharma R/o RZ-128, H-166, Dharampura, Najafgarh, New Delhi - 110043 has disowned and break off all the relations with her son and daughters and their family members i.e. Surender, Bimla, Kamlesh, Resham and further disinherits them from their movable and immovable properties. My client shall not be responsible towards any one for any acts and deed. We have executed the WILL to be declared null and void.

Zarins .
GARIMA BHARDWAJ
Advocate
CH. NO. 537
DWARKA COURT
NEW -DELHI- |10075

NAME CHANGE

I hitherto known as SHABNAM alias NIGAR ANSARI D/o SALAUDDIN W/o MOHD SALEEM, R/o B-20 (Old B-19) First Floor, Okhla Vihar, Jamia Nagar, New Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as NIGAR ANSARI.

PUBLIC NOTICE

I NARESH PAANCHAL S/O RAM NIWAS residing at BLOCK -P-25/3, 4 GF ,VATIKA INDIA NEXT ,VTC : VATIKA INDIA NRXT, PO: SIKANDARPUR ,GURGAON, HARYANA-122004. have changed the name of my minor daughter NETANYA aged 6 years and she shall hereafter be known as SAAVI PAANCHAL.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Amit Verma S/O Hans Raj R/O E-210, Pandav Nagar, Delhi-110091 declare that name of my minor son has been wrongly written as VIRAJ VERMA in my minor son's namely VIRAJ DHEDHA aged 10 years in his School documents. The actual name of my minor son is VIRAJ DHEDHA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SH OM PRAKASH DUBEY father of No-13623994W Rank-HAV, Name-PRADEEP KUMAR DUBEY residing at VILL-PURE DWARIKA DUBEY, PO-REWNA, DISTT-FAIZABAD (AYODHYA), U.P-224225 have changed my name from SH OM PRAKASH DUBEY to OM PRAKASH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 Vide Affidavit dated 17/01/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I. REENA W/o.Late Harjinder Singh R/o. House No.15, Vikas Vihar, Veer Bazar Road, Nilothi Extn. Nilothi, Delhi-41 have changed my name to Rajinder Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SARASHWATI DEVI mother of No.14657069W NK RAVINDER SINGH permanent address is WARD NO-8, MUBARIKPUR(37), FARRUKH NAGAR, GURGAON, HARYANA-122506 have changed my name from SARASHWATI DEVI to SARASWATI for all future purposes vide Affidavit Dated 17/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, URMILLA DEVI mother of No-13623994W Rank-HAV, Name-PRADEEP KUMAR DUBEY residing at VILL-PURE DWARIKA DUBEY, PO-REWNA, DISTT-FAIZABAD (AYODHYA), U.P-224225 have changed my name from URMILLA DEVI to URMILA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 04/08/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 17/01/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NADIM NAZIR SHAIKH son of JC-352818H Rank-SUB MAJ/HONY LT Name-SHAIKH NAJIR SHAHABUDDIN R/O FLAT NO.09, SAI APARTMENTS, SR NO-86/6, ALANDI ROAD, DIGHI, PUNE CITY, PO-DIGHI CAMP, PUNE, MAHARASHTRA-411015 have changed my name from for all future purposes vide NADIM NAZIR SHAIKH to NADEEM NAZIR SHAIKH Affidavit Dated 17/01/2024 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I MOHIT S/o AJIT SINGH, Residing NEAR CHOPAL, VPO: MATANHAIL (141), Jhajjar-124106 have changed my name from MOHIT to MOHIT SUHAG for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHAHNAZ wife of JC-352818H Rank-SUB MAJ/HONY LT Name-SHAIKH NAJIR SHAHABUDDIN R/O FLAT NO.09, SAI APARTMENTS, SR NO-86/6, ALANDI ROAD, DIGHI, PUNE CITY, PO-DIGHI CAMP, PUNE, MAHARASHTRA-411015, have changed my name from SHAHNAZ to SHAHINAJ NAJIR SHAIKH for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/09/1980 instead of my correct date of birth as 01/01/1979 vide affidavit dated 17/01/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, MANJU DHALL W/O LATE ARUN KUMAR DHALL R/O PLOT NO. 357, BLOCK-E, GALI NO. 11 and GALI NO. 12, SHYAM VIHAR PHASE-1, DINDARPUR, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, declare that due to unbearable repeated misconduct, mental torture of my daughter NISHA CHHABRA on me, I, MANJU DHALL mother of NISHA CHHABRA after several warnings and request to NISHA CHHABRA, under the unbearable and helpless circumstances created by NISHA CHHABRA, disown her from all my movable and immovable properties, from today there shall be no relation between me and NISHA CHHABRA and her family i.e. RAHUL CHHABRA (Husband) and TARUSH CHHABRA (son) from now on NISHA CHHABRA and her family shall be solely responsible for their deeds and conduct, I shall not be responsible for any of their acts.

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविधालय जाट पाली में जिला स्तरीय पांच दिवसीय यूथ रेडक्रॉस ट्रेनिंग कैंप का शुभारम्भ

नारनौल। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविधालय जाट पाली में आज जिला स्तरीय पांच दिवसीय यूथ रेडक्रॉस ट्रेनिंग कैंप का शुभारम्भ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डा. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस शिविर में जिले के विभिन्न 15 कॉलेजों से 115 यूथ काउंसलर द्वारा भाग लिया जा रहा है। प्रोफेसर डा. दिनेश चहल यूथ रेडक्रॉस समन्वयक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली व शिविर में भाग ले रहे यूथ द्वारा मुख्य अतिथि का स्लोगन के माध्यम से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर डा. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करना और मानव के प्रति सम्मान सुनिश्चित करना है। यह सभी लोगों के बीच पारस्परिक समझ, मित्रता, सहयोग और स्थायी शांति को बढ़ावा देता है।

शिविर निर्देशक डॉ एसपी सिंह ने शिविर में भाग ले रहे प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य की कुशलता के लिए प्रशिक्षण का अति महत्व होता है। प्रशिक्षण के दौरान हम विषयागत सूक्ष्म जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में टेकचन्द यादव ने रेडक्रॉस के इतिहास पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रवक्ता पवित्रा कुमारी ने रेडक्रास के कार्यों एव सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर डा. आनंद शर्मा इस कार्यक्रम मे यूथ रेडक्रॉस के मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना और हर समय सभी प्रकार की सामाजिक सेवा गतिविधियों के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया ताकि मानव कष्टों को कम किया जा सके और यहां तक कि रोका भी जा सके। इस कार्यक्रम मे विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ रेणु यादव, डॉ नीलम एवं अन्य शिक्षक मौजूद थे।

21 को आयोजित होने वाली शोभा यात्रा में ऑटो निभाएंगे आवागमन की जिम्मेदारी

पानीपत। प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर निकलने वाली शोभा यात्रा में आने वाले लोगों, महिलाओं और बच्चों के लिए ऑटो की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए उन्हें एकमुश्त राशि भी प्रदान की जाएगी ताकि उन्हें किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान ना हो।

करनाल लोकसभा सांसद संजय भाटिया ने बताया कि सभी ऑटो चालकों से इसके लिए अपील की जाएगी और उन्हें एकमुश्त राशि भी प्रदान की जाएगी। यह सुविधा निशुल्क रूप से स्काईलार्क से लेकर डेरा बाबा जोधसाचियार तक बुजुर्ग व्यक्तियों, महिलाओं और बच्चों को प्रदान की जाएगी। ताकि उन्हें अपने गंतव्य स्थान से आने जाने में दिक्कत ना हो।

इस सुविधा को जीटी रोड से चारो ओर कनेक्टिंग रोड से जोड़ा जाएगा क्योंकि पूल के नीचे उस दिन पार्किंग को ब्लॉक रखा जाएगा। जहां रोड ब्लॉक होगी वहीं से आगंतुक ऑटो से आ-जा सकेंगे।

संजय भाटिया ने कहा कि यह विशुद्ध रूप से धार्मिक आयोजन होगा,जिसमे हर कोई आ सकेगा। इस कार्यक्रम की आयोजक सभी संस्थाएं हैं। इस कार्यक्रम में संस्थाएं भी समाज सेवा के दृष्टिकोण से और उत्साही मन से आगे आई हैं। संस्थाओं ने खुले मन से इस शोभा यात्रा की बात का समर्थन करते हुए अपना योगदान देने की बात कही है।

नारी मन की अनुभूतियों का सच्चा दस्तावेज़ है 'कागज़ की कश्ती' : डॉ. कुलदीप

चंडीगढ़। पंजाब कला भवन सेक्टर 16 में लेखिका रेखा मित्तल के कहानी संग्रह ÷कागज़ की कश्ती÷ का भव्य लोकार्पण समारोह हुआ। जिसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से आए करीब डेढ़ सौ रचनाकारों, साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया। 'कागज़ की कश्ती' सत्तर कहानियों का संग्रह है। इसमें बाल मन की उलझनों, नारी मन की व्यथाओं, बढ़ती उम्र की मुश्किलें, पति-पत्नी के आपसी संघर्ष, सामाजिक विसंगतियों को बहुत ही सहज ढंग से उकेरा हैं। कहानियों की भाषा बहुत ही सरल और सहज है। दैनिक जीवन में घटने वाली घटनाओं को बहुत ही सुंदर तरीके से कहा गया हैं। सभी कहानियों में कोई न कोई संदेश निहित हैं। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। हरियाणा साहित्य अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। हरियाणा संस्कृत अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. सुधीर शर्मा और वरिष्ठ साहित्यकार और यायावर - छायाकार, डॉ.ओम प्रकाश कादयान विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाब विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने की। प्रख्यात उद्घोषक डॉ. प्रदीप राठौर ने मंच-संचालन करते हुए बहुत ही शानदार और सुचारू रूप से अपनी जादुई आवाज़ से कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।

मुख्य अतिथि डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री ने भी लेखिका को बधाई देते हुए टिप्पणी की कि संग्रह की तमाम कहानियों में भावों की प्रमुखता है, इसी कारण कहानियां आदि से अंत तक पाठकों को बांधकर रखती हैं। विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए हरियाणा संस्कृत अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि रेखा मित्तल की कहानियों में उमड़ी संवेदनाएं पाठकों की संवेदनाओं के साथ एक रूप हो जाती हैं। इसी कारण वे सीधे दिल को छूती हैं । हिसार से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार व यायावर छायाकार डॉ.ओमप्रकाश कादयान ने पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनमें मानवीय भावनाओं को सूक्ष्मता के साथ उकेरा गया है। ये रचनाओं की सार्थकता है, जो पाठकों को बांधे रखती है। रचनाएं भाव प्रधान होने के कारण सीधे मन को छूती हैं। प्रख्यात लेखिका और फिल्म निर्देशिका निशा लूथरा ने पुस्तक पर समीक्षात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि वह एक महिला लेखिका की लेखन भावना को शुभकामनाएँ देना चाहती हैं क्योंकि एक महिला को लिखने या स्वयं को अभिव्यक्त करने में सक्षम होने से पहले कई संघर्ष करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि लेखिका की कहानियों में एक अद्भुत आकर्षण है । पेशे से एक दंत चिकित्सक हैं परंतु बहुत ही संजीदा लेखक डॉ. विमल कालिया ने कहा कि संग्रह की कहानियां समाज में घटित घटनाओं का रोचक और कलात्मक चित्रण हैं। कथा-संग्रह पर टिप्पणी करते हुए डॉ. सुनैना ने बताया कि उन्होंने दो घंटों में ही पूरी किताब पढ़ ली। उन्होंने कहा कि लेखिका के व्यक्तित्व की सहजता और सरलता उनकी कहानियों में भी दिखाई देती हैं। 'साइकिलगिरी' संस्था की डॉ. सुनैना ने बताया कि उनके जैसे लोग जो साहित्यिक पृष्ठभूमि से नहीं हैं, वे भी इन कहानियों का आनंद ले सकते हैं। हरिद्वार से आए प्रदीप गर्ग ने भी पुस्तक पर चर्चा की। पेशे से इंजीनियर श्री गर्ग ने बताया कि कहानी स्वानुभूत अनुभवों से उपजी लगती हैं। कहानियों के विषय समाज से लिए हुए हैं। हर वर्ग के लिए कहानी सटीक बैठती हैं। शहर के एक अन्य लेखक अश्विनी शांडिल्य ने पुस्तक पर पर्चा पढ़ा।

सरेंडर हुए 1 लाख करोड़ से किसानों की एमएसपी की मांग को पूरा किया जा सकता था: दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हाल में कृषि मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिससे पता चलता है कि पिछले 5 साल में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बजट का 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सरेंडर कर दिया। इससे साबित हो गया कि कृषि मंत्रालय का किसान कल्याण से कोई वास्ता नहीं है।

दीपेंद्र हुड्डा मंगलवार को यहां कांग्रेस कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये 1 लाख करोड़ का कृषि बजट इसलिये सरेंडर किया गया कि कार्पोरेट घरानों के और कर्जे माफ हों और किसानों पर मुश्किलें बढ़ें? ये आंकड़ा किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने वाला और जो जख्म सरकार ने देश के किसानों को दिये हैं उन्हें फिर से हरा करने वाला है।

उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा सरकार के शासन काल में 2014 से 2022 तक 1 लाख से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की। यानी हर रोज 30 किसान आत्महत्या कर रहे हैं। इस 1 लाख करोड़ रुपए से कर्ज में डूबे किसानों राहत देकर आत्महत्या से रोका जा सकता था। किसान कायर नहीं हैं, वो आत्महत्या जैसा कठोर निर्णय तभी करता है जब उसके सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। 5 साल से देश में कर्ज में डूबे हुए किसान आत्महत्या को मजबूर होते रहे लेकिन भारत सरकार का कृषि मंत्रालय लाखों करोड़ रुपया चुपचाप सरेंडर करता रहा।

दीपेन्द्र हुड्डा ने याद दिलाया कि यूपीए सरकार ने किसानों के लिए 72000 करोड़ रुपये की कर्ज माफी करके किसानों को राहत देने का काम किया था। लेकिन पिछले 10 वर्ष में इस सरकार ने किसानों का एक पैसा कर्ज माफ तो किया नहीं बल्कि बड़े-बड़े उद्योगपति घरानों के साढ़े 14 लाख करोड़ के कर्जे माफ कर दिए।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि ये सरकार किसानों को लगातार जख्म दे रही है फिर उसे कुरेद-कुरेद कर देखती है कि जख्म कितना गहरा है इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण बात और कोई नहीं हो सकती। उन्होंने मांग करी कि सरकार बताए कि किसानों के हित का पैसा सरेंडर क्यों किया गया। इसके लिये कौन जिम्मेदार है। क्या कृषि मंत्रालय द्वारा सरेंडर किये गये इस 1 लाख करोड़ रुपयों से भी उन्हीं धनाढ्य लोगों का कर्जा माफ किया जायेगा, जिनका पहले भी लाखों करोड़ का कर्जा माफ हुआ है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि आज एक बार फिर देश का किसान चिंतित है। किसान संगठन फिर से आंदोलन की राह पर हैं। क्योंकि, किसान आंदोलन के समय किसान संगठनों और सरकार के बीच एमएसपी गारंटी और किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने आदि का जो समझौता हुआ था उसे भी सरकार ने नहीं माना।

आंदोलन में शहीद हुए 750 किसानों के परिवारों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया। लखीमपुर खीरी में किसानों को कुचलने वाले अपने मंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं की। जो सरकार के अहंकार और किसान विरोधी चेहरे का प्रतीक है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार कम से कम किसानों से किये अपने वायदे पूरे करे।

कन्या जन्म पर कुआं पूजन कार्यक्रम

रेवाड़ी। गांव जाहिदपुर में चन्द्रहास के घर पौत्री के जन्म पर कूआं पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कन्या के दादा चन्द्रहास ने कहा कि उनके घर 24 दिसंबर को पौत्री के रूप में कन्या ऊर्मी का जन्म हुआ। कन्या जन्म पर पूरे परिवार में खुशी का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि अब परिवार में जितना हक लड़के का है, उतना ही लड़कियों का भी है। ऐसे में भेदभाव का दौर धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है।

नवजात कन्या के पिता प्रवीण ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम करके हम लोगों की सोच को बदलने का प्रयास कर सकते है। उन्होंने लड़की के कुआं पूजन पर जैसे लोग लडके के जन्म पर कार्यक्रम करते है, उसी प्रकार कन्या के जन्म पर कार्यक्रम करके कन्या के जन्म पर खुशी मनाई। इस अवसर पर दादी कमला देवी, माता प्रीति देवी, मामा विजय, अजय, राजू, मामी संगीता, निशा, पूजा ने कन्या को आर्शीवाद दिया व उसकी लंबी आयु की कामना की।

वर्तमान सरकार ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की ओर बढाए मजबूत कदम-सुरेंद्र पूनिया

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि भाजपा सरकार हर वर्ग तथा क्षेत्र का बिना किसी भेदभाव के समग्र विकास कर रही है और अब वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को साकार करने के लिए हर भारतवासी को योगदान देना चाहिए।

उन्होंने यह बात विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बरवाला शहर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, नगर पालिका के अध्यक्ष रमेश बैटरी वाला, पूर्व विधायक वेद नारंगतथा वरिष्ठ भाजपा नेता रणधीर धीरू ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा गरीबों के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की। हर पात्र व्यक्ति को इन योजनाओं का लाभ उठाकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना व चिरायु योजना समेत कई योजनाओं की विस्तार से लोगों को जानकारी देते हुये उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवारों को निशुल्क गैस चूल्हे व सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक की राशि का निःशुल्क इलाज प्रदान किया जा रहा है। भाजपा सरकार कीजनकल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा न केवल हमारे देश में बल्कि दुनिया के कई देशों में हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का मान-सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ाकर हर भारतवासी के सीने को गर्व से चौड़ा किया है। आज दुनिया में भारत का रुतबा बहुत बढ़ा है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वह भारत को दुनिया का सिरमौर बनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ दें।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी स्थलों का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से लाभान्वित करने का काम करें। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 8 पात्र परिवारों को गैस चूल्हे तथा सिलेंडर देकर लाभान्वित किया। उन्होंने जन संवाद कार्यक्रम में मौके पर ही बनी 9 बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन के वृद्धावस्था सम्मान भत्ता प्रमाण पत्र सौंपे। अनेक लोगों ने आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड व राशन कार्ड आदि बनाए गए।इस अवसर पर नगर पालिका के अध्यक्ष रमेश बैटरी वाला, पूर्व अध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा, भाजपा जिला सचिव देवेंद्र शर्मा, जिला संयोजक पंचायती राज प्रकोष्ठ राजेंद्र ढांडा, बूथ अध्यक्ष कृष्णा सोनी, भाजपा जिला सचिव सुरेश जाखड़, भाजपा मंडल युवा अध्यक्ष तरुण मेहता, आनंद सिरोही, साधुराम जाखड़, विकसित भारत संकल्प यात्रा के जिला सहसंयोजक शमशेर पंघाल, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रमेश आर्य तथा प्रवीण सैनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

20 साल से सरकारी भूमि पर बनी दुकानों व मकानों पर काबिज लोगों को मालिकाना हक दें: मुख्य सचिव

चंडीगढ़। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 20 साल से सरकारी विभागों, बोर्डों, नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका की भूमि पर बनी दुकानों व मकानों पर काबिज लोगों को मुख्यमंत्री शहरी निकाय स्वामित्व योजना के तहत मालिकाना हक प्रदान करने के आवेदनों पर तत्परता से कार्य करें।

कौशल यहां इस संबंध में बुलाई गई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव को अवगत कराया गया कि योजना के तहत हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्टेट नोडल अधिकारी पद नामित किए जा चुके हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बाकी बचे महकमों के निदेशक या महानिदेशक इस संबंध में स्टेट नोडल अधिकारी होंगे क्योंकि उन्होंने निर्णय लेने में देरी की है। बैठक में बताया गया कि अब तक 99 आवेदनों के सम्बन्ध में मालिकाना हक देने की अनुमति दे दी गई है, जबकि 901 आवेदनों पर निर्णय लम्बित है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि हर विभाग को लंबित आवेदनों पर 15 दिन में फैसला लेना होगा और यदि इस अवधि में निर्णय नहीं लिया जाता तो जिस विभाग की भूमि है, उसके जिला स्तर के अधिकारी का फैसला मान्य होगा। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव इस सम्बन्ध में सभी संबंधित विभागों से नियमित तौर बैठक करेंगे और मुख्य सचिव कार्यालय को अपनी रिपोर्ट भेजेंगे। इसके अलावा, वे रद्द किए गए सभी मामलों का अध्ययन भी करेंगे और सूचित करेंगे कि निरस्तीकरण उचित था या नहीं। बैठक में कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

चौथे चरण जिला स्टियरिंग कमेटी बैठक

करनाल। निपुण हरियाणा मिशन के तहत चौथे चरण की जिला स्टियरिंग कमेटी की बैठक जिला स्तर पर एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निपुण हरियाणा मिशन के तहत चल रहे एफ एल एन कार्यक्रमों की त्रैमासिक समीक्षा की गई। इस बैठक में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल , डिप्टी डीईओ ज्योत्सना, सभी खंड शिक्षा अधिकारी और खंड संसाधन अधिकारी, डाईट लेक्चर नरेन्दर कुमार, जिला एफ.एल.एन. समन्वयक विपिन कुमार, स्वास्थ विभाग के अधिकारी, सीएमजीजी , लैंग्वेज एण्ड लर्निंग फाउंडेशन और संपर्क फाउंडेशन की ओर से जिला अकादमिक समन्वयक ने भाग किया।

बैठक में निपुण हरियाणा कार्यक्रम के तहत एफ. एल. एन. के अंतर्गत पिछले तीन माह में किए गए मुख्य कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक का संचालन एफएलएन जिला समन्वयक विपिन कुमार के द्वारा किया। इस समीक्षा बैठक में

पिछले बैठक के चर्चा बिंदुओं को साझा करते हुए आगे की बैठक बिंदुओं पर सभी अधिकारी गणों के साथ विस्तार से चर्चा हुई। जिसमे

तीन माह (अक्टूबर से दिसंबर तक) में एफएलएन के अंतर्गत किये गए कार्यों की समीक्षा साझा किया गया। उपयुक्त तीन माह के स्कोरकार्ड की समीक्षा और चुनौतियों पर चर्चा हुई। एबीआरसी और बीआरपी के द्वारा किये गए स्कूल विज़िट और कक्षा अवलोकन की समीक्षा की गई। हाल ही में हुआ कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के सावधिक आकलन के आकड़ों को साझा किया गया। जिला स्तर पर एफ. एल. एन. के अंतर्गत बेहतर कार्य करने वाले स्कूलों का विवरण और एफ. एल. एन. के कार्यों में असंतोषजनक वाले स्कूलों की सूची साझा किया गया और साथ ही 1 कॉल- 1 शिक्षक' का सम्प्रत्यय साझा किया गया जिसमे जिला स्तर पर एफ. एल. एन. के कार्यों को सुचारु रूप से चलाने और उसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए लगातार मॉनिटरिंग और अवलोकन द्वारा जो शिक्षक और शिक्षिका बेहतर कार्य कर रहे है, उनको जिला के ओर से कॉल के मध्याम से अभिप्रेरित करने और उनके मनोबल को बनाए रखने के लिए एक प्रयास/पहल के रूप में शुरू किया गया है जिसके अंतर्गत 10 उत्कृष्ट शिक्षकों को कॉल करके अभिप्रेरित भी किया गया। तीन माह के लिए तीन चरणों में 'आओ अपने क्लस्टर को मॉडल बनाए' पहचान पायलट प्रोजेक्ट के नाम से चलाया गया था। इसमे मॉडल क्लस्टर के रूप मे चुने गए एबीआरसी, बीआरपी, सीआरसी और उन क्लस्टर के बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इस प्रोजेक्ट का समापन जिला स्तर पर कर दिया गया। बैठक का समापन एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा के द्वारा सभी अधिकारीगण से उनके प्रश्न को पूछते और चुनौतियों को समझते हुए किया और साथ ही आगे भी बेहतर कार्यों को करने की आशा व्यक्त की।

21 को आयोजित होने वाली शोभा यात्रा में ऑटो निभाएंगे आवागमन की जिम्मेदारी

बुजुर्गों,महिलाओं और बच्चों को नहीं होगी परेशानी, ऑटो चालकों को दी जाएगी एकमुश्त राशि ताकि ना हो आर्थिक नुक्सान।

पानीपत। प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर निकलने वाली शोभा यात्रा में आने वाले लोगों, महिलाओं और बच्चों के लिए ऑटो की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए उन्हें एकमुश्त राशि भी प्रदान की जाएगी ताकि उन्हें किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान ना हो।

करनाल लोकसभा सांसद संजय भाटिया ने बताया कि सभी ऑटो चालकों से इसके लिए अपील की जाएगी और उन्हें एकमुश्त राशि भी प्रदान की जाएगी। यह सुविधा निशुल्क रूप से स्काईलार्क से लेकर डेरा बाबा जोधसाचियार तक बुजुर्ग व्यक्तियों, महिलाओं और बच्चों को प्रदान की जाएगी। ताकि उन्हें अपने गंतव्य स्थान से आने जाने में दिक्कत ना हो।

इस सुविधा को जीटी रोड से चारो ओर कनेक्टिंग रोड से जोड़ा जाएगा क्योंकि पूल के नीचे उस दिन पार्किंग को ब्लॉक रखा जाएगा। जहां रोड ब्लॉक होगी वहीं से आगंतुक ऑटो से आ-जा सकेंगे।

संजय भाटिया ने कहा कि यह विशुद्ध रूप से धार्मिक आयोजन होगा,जिसमे हर कोई आ सकेगा। इस कार्यक्रम की आयोजक सभी संस्थाएं हैं।

इस कार्यक्रम में संस्थाएं भी समाज सेवा के दृष्टिकोण से और उत्साही मन से आगे आई हैं। संस्थाओं ने खुले मन से इस शोभा यात्रा की बात का समर्थन करते हुए अपना योगदान देने की बात कही है।

गगसीना में बनेगा 2.50 करोड़ की लागत से कम्युनिटी सेंटर- कल्याण

करनाल। विकसित भारत संकल्प यात्रा आज जिला के गांव का किसी गगसीना और मलिकपुर गादियान पहुंची। दोनों जगह विधायक हरविंद्र कल्याण ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि गगसीना गांव में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ढाई करोड़ की लागत से नया कम्युनिटी सेंटर बनाया जाएगा। इतना ही नहीं गगसीना से बीजना तक की माइनर की खुदाई करवाकर एक तरफ की पटरी पर सड़क बनवाई जाएगी। इस कार्य के लिए 18 करोड़ रुपए मंजूर हो चुके हैं। निर्माण कार्य अगले वित्त वर्ष में शुरू हो जाएगा।

गगसीना में सरपंच प्रतिनिधि सुमित और मलिकपुर गादियान में सरपंच सोहन लाल राठौर ने विधायक का स्वागत किया। श्री कल्याण ने इस मौके पर विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया और हरियाणा के विकास पर बनी लघु फिल्म दिखाई गई। गायक कलाकारों द्वारा विकासात्मक गीत प्रस्तुत किए गए। गगसीना में ब्लॉक समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने और मलिकपुर कादियान में राजकुमार पालीवाल ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलवाई। करण सिंह संधू ने गगसीना में पिछले 9 साल में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। सरपंच सोहनलाल ने अलग पंचायत बनवाने के लिए विधायक का आभार जताया।

इस मौके पर श्री कल्याण ने कहा कि उन्होंने जहां हलके में नई मेडिकल, यूनिवर्सिटी, एनसीसी अकादमी, 70 नई सड़कें, 40 पुल, आईटीआई, सात पावर हाउस, लड़कियों का कॉलेज, घरौंडा में बस स्टैंड और रेलवे से जमीन लेकर रास्ता बनवाया गया वहीं गांवों में पार्टीबाजी को नहीं उभरने दिया। हलके में 8 नई पंचायतों का गठन किया गया है।हलके में चहूं ओर विकास कार्य जारी हैं। यह व्यवस्था बदलाव का ही नतीजा है कि आज प्रदेश के 90 प्रतिशत गांवों में 20 से 24 घंटे तक बिजली आपूर्ति की जा रही है। किसानों के खातों में किसान सम्मन निधि और बुजुर्गों के बैंक खातों में सीधी पेंशन राशि भेजी जा रही है। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए ही पोर्टल, ई-टेंडरिंग तथा ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि गगसीना में भाजपा राज से पहले 157 बीपीएल कार्ड थे आज इनकी संख्या बढ़कर 1302 हो गई है। बीपीएल कार्डधारकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इससे इन्हें साल में 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। सरकारी नौकरियों मेरिट के आधार पर दी जा रही हैं। पिछली सरकारों के समय नौकरियां चहेतों को ही मिलती थीं। अगले शैक्षणिक स्तर से कॉलेजों में पढ़ने वाली बीपीएल परिवार की लड़कियों को कोई फीस अदा नहीं करनी पड़ेगी। जिन परिवारों की सालाना आमदन 1.80 से 3 लाख के बीच है उनकी बेटियों को आधी फीस अदा करनी होगी। श्री कल्याण ने इस अवसर पर दयालु योजना की भी विस्तृत जानकारी दी।

गैस कनेक्शन- गांव गगसीना में आज उज्ज्वला योजना के तहत नीतू, कोमल, नीलम, पिंकी, मीनू, सुमन, निम्मी, आरती, कविता सहित 11 महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। इसके अतिरिक्त 22 आयुष्मान कार्ड और 18 लोगों की पेंशन बनाई गई। आयूष विभाग की टीम द्वारा 89 लोगों की जांच कर मुफ्त दवाई दी गई। ड्रोन का प्रदर्शन भी किया गया। मलिकपुर गादियान में पूनम, रीना, गीता, ज्योतिऔर राजवंति को गैस कनेक्शन दिए गए। यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 166 से अधिक लोगों की जांच कर दवा दी।

सम्मानित किया- विधायक ने गांव गगसीना में पूर्व सैनिक जयदेव, जसवीर, हवा सिंह और निरंजन तथा 8 विद्यार्थियों लक्ष्य, हर्षित, शीतल, सरिता, सलोनी और दीया को सम्मानित किया। सरपंच सुमन को भी अभिनंदन पत्र दिया गया।

NAME CHANGE

It is for general information that I, SOMDUTT S/o SHYAM SUNDER, R/o House No. 1550, Mohalla Saraiyan, Near Ram Mandir, Ward No. 6, Khanbi(118), Khambi, Palwal, Haryana-121106, declare that name of mine has been wrongly written as SOM DUTT in my Haryana Education Board class 10th and 12th Marksheets cum Certificates, University B.Ed. and M.A. Degrees. The actual name of mine is SOMDUTT.

मारुति सुजुकी ने वाहनों की कीमतों में किया इजाफा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। देश और निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपने वाहनों की कीमतें तत्काल प्रभाव से बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमतें आज लागू हो गई है। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में अनुमानित भारित औसत 0.45 फीसदी की वृद्धि की है। वाहन निर्माता ने कहा कि वाहनों की नई कीमतें 16 जनवरी, 2024 से प्रभावी है। एमएसआई ऑल्टो से लेकर इनविक्टो तक कारों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 3.54 से लेकर 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है। इस साल अप्रैल से दिसंबर की अवधि के दौरान मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 2,02,786 वाहनों का निर्यात किया, जो पिछले साल 2022 की समान अवधि के 1,92,071 यूनिट के आंकड़े से 6 फीसदी ज्यादा है।

सरकार ने शीरा पर लगाया 50 फीसदी निर्यात शुल्क, नई दरें 18 जनवरी से होंगी प्रभावी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शराब उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले गन्ने के सह-उत्पाद शीरा के निर्यात पर 50 फीसदी का शुल्क लगा दिया है। यह शुल्क 18 जनवरी से लागू होगा। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक शीरा के निर्यात पर 50 फीसदी का शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क 18 जनवरी से प्रभावी होगा। इस कदम का मकसद घरेलू शराब भट्टियों के लिए शीरा की उपलब्धता को बढ़ावा देना और पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने में मदद करना है। इसके अलावा चालू सीजन में चीनी उत्पादन में गिरावट पर नियंत्रण पाना है। मंत्रालय की एक अन्य अधिसूचना के मुताबिक कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी ऑयल के आयात पर मौजूदा रियायती शुल्क दरों को एक साल बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और सूरजमुखी ऑयल पर मूल आयात शुल्क को पिछले साल जून में 17.5 फीसदी से घटाकर 12.5 फीसदी कर दिया था। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम ऑयल का आयात करता है। सरकार का लक्ष्य चालू चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में पेट्रोल के साथ 15 फीसदी इथेनॉल मिश्रण प्राप्त करना है। इसके लिए 690 लीटर इथेनॉल की आवश्यकता होगी। इथेनॉल के बिना चालू चीनी सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी उत्पादन घटकर 323-330 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि पिछले चीनी सीजन में 3.73 करोड़ टन रहा था। इसके साथ ही भारत वियतनाम, दक्षिण कोरिया, नीदरलैंड और फिलीपींस को शीरा का निर्यात करता है। वहीं, देश के तीन प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात शीरा का निर्यात करते हैं।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 600 रुपये प्रति टन घटा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम में उतार-चढ़ाव के बीच केंद्र सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में 600 रुपये प्रति टन की कटौती की है। वहीं, डीजल, पेट्रोल और विमान टरबाइन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य रखा गया है। नई दरें आज (मंगलवार) से लागू हो गईं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, देश में उत्पादित क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स 600 रुपये प्रति टन की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद अब घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 2,300 रुपये प्रति टन से घटकर 1,700 रुपये प्रति टन हो गया है। इससे पहले 2 जनवरी को घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 1,300 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति टन कर दिया गया था। इसके अलावा डीजल, पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। सरकार हर 15 दिन पर पिछले दो हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर घरेलू कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स की दर को तय करती है।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 90.08 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.47 डॉलर यानी 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ 77.82 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी क्रूड 0.53 डॉलर यानी 0.73 फीसदी लुढ़ककर 71.87 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

नवंबर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 15.92 लाख नए सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नवंबर में ईएसआई योजना के तहत 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा है। नवंबर, 2023 में करीब 20,830 नए प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया गया। इसके साथ ही इनके कर्मचारियों को ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि नवंबर महीने में 15 लाख 92 हजार नए कर्मचारियों को ईएसआई योजना में जोड़ा गया है। इस दौरान ईएसआई योजना के तहत करीब 20 हजार 830 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत किए गए, जिनके कर्मचारियों को राज्य बीमा योजना की सामाजिक सुरक्षा के तहत लाया गया। इस तरह अधिक श्रमिकों के लिए योजना का कवरेज सुनिश्चित किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का सृजन हुआ। मंत्रालय ने बताया कि नवंबर महीने में शामिल कुल 15 लाख 92 हजार कर्मचारियों में से सात लाख 47 हजार कर्मचारी 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं, जो कुल कर्मचारियों के पंजीकरण का 47 फीसदी है। नवंबर महीने में शुद्ध रूप से 3.17 लाख महिलाएं पंजीकृत हुई हैं जबकि इस दौरान कुल 58 समलैंगिक समुदाय के कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया। यह दर्शाता है कि ईएसआईसी समाज के हर वर्ग तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन को अपनाना आवश्यक : गौतम अदाणी

अहमदाबाद। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 54वीं वार्षिक बैठक के लिए अपने ब्लॉग में भारत जैसे देशों के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने में ग्रीन हाइड्रोजन के महत्व पर जोर दिया है। इसका शीर्षक कम लागत-शुद्ध शून्य की राह पर ग्रीन हाइड्रोजन का लाभ लेने की कुंजी है। इसके माध्यम से अदाणी ने जीवाश्म ईंधन के प्रमुख विकल्प के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन की व्यवहार्यता और क्षमता को दर्शाने का प्रयास किया है क्योंकि विश्व स्वच्छ और नवीकरणीय भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए तत्पर है। इस ब्लॉग को डब्ल्यूईएफ की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है जिसमें पर्यावरण के साथ ही भारत के विकास के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के लाभों पर टिप्पणी की गई है। यह शून्य उत्सर्जन वाले स्वच्छ ईंधन के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन की व्यवहार्यता पर प्रकाश डालता है। ग्रीन हाइड्रोजन विश्व भर में कार्बन तटस्थता के सपने को साकार करने की कुंजी होगी। हाइड्रोजन को एक संभावित ऊर्जा भंडारण माध्यम के रूप में जाना जाता है और यह पानी के साथ ईंधन कोशिकाओं में एकमात्र अपशिष्ट उत्पाद के रूप में बिजली का उत्पादन कर सकता है। इसलिए, इसकी क्षमता को पूरी तरह से समझने के लिए, उक्त ब्लॉग उत्पादन की लागत को कम करने हेतु इसे व्यापक रूप से अपनाने के महत्व पर जोर देता है। साथ ही, ग्रीन हाइड्रोजन को किफायती बनाने के लिए विभिन्न नीतिगत समर्थन उपायों की पेशकश भी करता है, और साथ ही संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को शामिल करके वर्टीकल इंटीग्रेशन के दृष्टिकोण को अपनाता है। पिछड़े इंटीग्रेशन वाली कम्पनियां ही विश्व को किफायती ग्रीन हाइड्रोजन उपलब्ध कराने में सक्षम होंगी। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की लागत को मौजूदा 3-5 डॉलर प्रति किलोग्राम (किग्रा) से घटाकर 1 डॉलर प्रति किलोग्राम करने की सख्त आवश्यकता है, ताकि इसे व्यापक रूप से अपनाया जा सके। ग्रीन हाइड्रोजन एक न्यायसंगत समाधान है, इस पर अपने विचार रखते हुए, गौतम अदाणी कहते हैं, भारत के लिए न्यायसंगत समाधान, एक जीवाश्म ईंधन को दूसरे के साथ परिवर्तित करना नहीं है बल्कि नवीकरणीय और ग्रीन हाइड्रोजन की तरफ जितनी जल्दी हो सके, रुख करना है। सौर लागत में कमी को ग्रीन हाइड्रोजन के साथ पूरा किया जा सकता है। यह परिवर्तन भारत को ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने और अपने शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करने में सहायता करेगा। साथ ही, यह आयातित अमोनिया की कीमतों की अनिश्चितताओं को दूर करके खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देगा, जो कि उर्वरकों में एक महत्वपूर्ण घटक है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे विश्व को जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से खुद को सुरक्षित करने के अवसर मिलेंगे।

उक्त ब्लॉग अग्रणी कंपनियों, नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है, जो उभरते ऊर्जा प्रतिमान द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों और अवसरों को नेविगेट करने में सहायता करता है। यह उन पाठकों के लिए उपलब्ध है, जो भविष्य के ऊर्जा परिदृश्य को आकार देने में ग्रीन हाइड्रोजन की भूमिका की गहरी समझ हासिल करने की इच्छा रखते हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन में भूमिका

अदाणी एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड (एईएल) की सहायक कंपनी अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (एएनआईएल) विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी ग्रीन हाइड्रोजन और उससे जुड़े टिकाऊ डेरिवेटिव्स का उत्पादन करने के लिए एंड-टू-एंड समाधान विकसित कर रही है। एएनआईएल की 1 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) ग्रीन हाइड्रोजन के पहले प्रोजेक्ट की शुरुआत गुजरात में विभिन्न चरणों में की जा रही है। प्रारंभिक चरण में वित्त वर्ष 2027 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बाजार की स्थितियों के आधार पर, एएनआईएल का लक्ष्य अगले 10 वर्षों में लगभग 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ ग्रीन हाइड्रोजन की क्षमता का 3 एमएमटीपीए तक विस्तार करना है।

शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, पांच दिन बाद लाल निशान में बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। लगातार 5 कारोबारी दिनों से जारी तेजी के सिलसिले पर मंगलवार को ब्रेक लग गया। आज शेयर बाजार सपाट स्तर पर खुला था। शुरुआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव के बाद खरीदारों ने कुछ देर तक लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन दोपहर 12 बजे के कुछ देर पहले से बिकवाल के हावी होने पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों पर लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह हेल्थ केयर, रियल्टी और आईटी इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर मेटल, पीएसयू बैंक और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसकी वजह से बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 374.99 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 376.09 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,929 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,339 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,501 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 89 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,162 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 634 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,528 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 4.01 अंक की मामूली बढ़त के साथ 73,331.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। शुरुआती 2 घंटे के कारोबार में खरीदारों का पलड़ा भारी नजर आया, जिसके कारण सेंसेक्स 99.65 अंक की मजबूती के साथ 73,427.59 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली के चक्कर में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई।

सर्राफा बाजार- सोने की बढ़ी चमक, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन भी घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आज 150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी बनी हुई है। इसके कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 63,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। आज की तेजी के कारण चेन्नई में 24 कैरेट सोना 64 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज भी कल के भाव यानी 76,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 63,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 58,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। मुंबई में 24 कैरेट सोना 63,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 64,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 63,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

स्टार्टअप परिस्थितिकी तंत्र के मामले में गुजरात, केरल और कर्नाटक अव्वल

नई दिल्ली। देश में उभरते उद्यमियों के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के मामले में गुजरात, केरल तथा कर्नाटक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्य बनकर उभरे हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से जारी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की रैंकिंग में यह बात सामने आई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को यहां राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग 2022 जारी की। इस अवसर पर गोयल ने कहा कि स्टार्टअप 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। स्टार्टअप और राज्य रैंकिंग पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री ने पिछले आठ वर्षों में स्टार्टअप क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि जो चीज कभी नवीनता थी, वह अब राष्ट्रीय मुख्यधारा का अभिन्न अंग बन गई है। इस अवसर पर डीपीआईआईटी में संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि करीब 1,800 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को पेटेंट प्रदान किया गया है। ऐसे मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 1.17 लाख से अधिक हो गई है।

डीपीआईआईटी की ओर से जारी की गई स्टार्टअप रैंकिंग पुरस्कार में गुजरात को लगातार चौथी बार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता का दर्जा मिला है। कर्नाटक को लगातार दूसरे साल इस खंड में स्थान मिला। इसी तरह केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों की श्रेणी में रखा गया है। इसके अलावा महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय को शीर्ष प्रदर्शन करने वालों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। डीपीआईआईटी की जारी इस रैंकिंग का मकसद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने और एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से सीखने में सहायता करना है। इसमें कुल 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले, नेतृत्व करने वाले, महत्वाकांक्षी नेतृत्व करने वाले और उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने वालों की पांच श्रेणियों में बांटा गया है। इसके अलावा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी जनसंख्या के आकार के आधार पर मोटे तौर पर दो वर्गों में विभाजित किया गया है। इनमें एक करोड़ से अधिक आबादी वाले और एक करोड़ से कम जनसंख्या वाले राज्य शामिल हैं।

लॉक खराब होने के कारण विमान के शौचालय में एक घंटे तक फंसा रहा यात्री

मुंबई। मुंबई से बेंगलुरु जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में एक यात्री दुर्भाग्य से शौचालय के अंदर करीब एक घंटे तक फंसा रहा। उड़ान के दौरान दरवाजे के लॉक में खराबी आने के कारण यह स्थिति बनी। स्पाइसजेट ने बताया कि यात्रा के दौरान, हमारे चालक दल ने यात्री को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि बंगलूरू पहुंचने पर एक इंजीनियर ने शौचालय का दरवाजा खोला और यात्री को तत्काल चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार, 43 हजार डॉलर के करीब पहुंचा बिटकॉइन

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से आज 5 बढ़त के साथ ग्रीन जोन में और 4 गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार कर रही हैं। एक क्रिप्टो करेंसी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन में पिछले एक सप्ताह से जारी गिरावट पर आज ब्रेक लगा है, जिसके कारण ये आभासी मुद्रा आज एक बार फिर 43 हजार डॉलर के करीब पहुंच गई है। भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 5 बजे तक बिटकॉइन 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 42,821.26 डॉलर यानी 35.59 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम की कीमत भी आज 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ उछल कर 2,529.22 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा बीएनबी 1.11 प्रतिशत, सोलाना 1.41 प्रतिशत और डोजेकॉइन 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। टेथर 0.01 प्रतिशत, एक्सआरपी 1.01 प्रतिशत, कार्डानो 0.61 प्रतिशत और एवालांचे 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि यूएसडी कॉइन की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ था कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 0.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप घट कर 1.69 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 140.47 लाख करोड़ रुपये रह गया हैग्लोबल मार्केट कैप में गिरावट आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में तेजी दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल 5,498 करोड़ डॉलर यानी 4.57 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 3.88 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें कीमत में तेजी आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति भी 0.07 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 49.76 प्रतिशत हो गई है।

Cervical Cancer से बचने का कारगर तरीका है एचपीवी वैक्सीन, जानें इसके बारे में वह सबकुछ जो जानना जरूरी है

सर्वाइकल कैंसर दुनियाभर में महिलाओं को प्रभावित करने वाली एक खतरनाक बीमारी है जो उनकी मौत का एक प्रमुख कारण भी है। यह कैंसर आमतौर पर ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वायरस के कारण फैलता है। ऐसे में इसे लेकर जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी में सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ मनाया जाता है। आइए जानते हैं इस कैंसर से बचाने वाली वैक्सीन के बारे में सबकुछ

सर्वाइकल कैंसर (Cervical Cancer) एक गंभीर बीमारी है, जो दुनियाभर में महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण है। यह कैंसर का एक गंभीर प्रकार है, जो कई महिलाओं को प्रभावित करता है। यही वजह है कि इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी माह को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। इस मौके पर हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से इस बीमारी की रोकथाम के लिए टीकाकरण को लेकर जानकारी सामने आई।बीते दिनों केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बारे में कहा कि सरकार सर्वाइकल कैंसर के मामलों की बारीकी से निगरानी कर रही है और जल्द ही ह्यूमन पैपिलोमावायरस (Human Papillomavirus) वैक्सीनेशन अभियान शुरू करने पर निर्णय लेगी। ऐसे में जानते हैं सर्वाइकल कैंसर से बचाने वाली इस वैक्सीन से जुड़ी वह सभी बातें,जो जानना आपके लिए जरूरी है।

क्या है ह्यूमन पेपिलोमावायरस?

ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) एक सामान्य वायरस है, जो त्वचा और म्यूकस मेंब्रेन को संक्रमित करता है और मुख्य रूप से त्वचा से त्वचा के संपर्क के जरिए फैलता है, खासकर यौन गतिविधि के दौरान। एचपीवी के 100 से अधिक प्रकार हैं, जिनमें से कुछ जेनिटल वॉर्ट्स का कारण बन सकते हैं और संभावित रूप से विभिन्न कैंसर का कारण भी बन सकते हैं।

कैसे फैलता है एचपीवी?

एचपीवी आमतौर पर त्वचा से त्वचा के संपर्क से फैलता है, जिसमें यौन गतिविधि इसके फैलने का सबसे बड़ा कारण है। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ वजाइनल, एनल या फिर ओरल यौन संबंध के जरिए फैल सकता है, भले ही कोई संक्रमित व्यक्ति में कोई लक्षण न हों।

एचपीवी इन्फेक्शन के लक्षण

कई एचपीवी संक्रमण होने पर कोई ध्यान देने योग्य लक्षण नहीं दिखाई नहीं देते हैं और अपने आप ठीक हो सकते हैं। हालांकि, इसके कुछ स्ट्रेन्स जननांग मस्से यानी जेनिटल वॉर्ट्स का कारण बन सकते हैं, जो जननांगों, एनस या मुंह पर या उसके आसपास छोटी, फूलगोभी जैसे दिखाई देते हैं।

कैसे कैंसर का कारण बनता है एचपीवी?

एचपीवी के कुछ हाई रिस्क वाले स्ट्रेन लगातार संक्रमण का कारण बन सकते हैं, जो शरीर में सेलुलर परिवर्तन का कारण बनते हैं और संभावित रूप से समय के साथ सर्वाइकल या अन्य तरह के कैंसर का कारण बनते हैं। कैंसर के विकास को रोकने या शुरुआती स्टेज में इसकी पहचान करने के लिए नियमित जांच बेहद जरूरी है।

एकला चलो की नीति पर आगे बढ़ रहीं मायावती बसपा को बड़ा नुकसान पहुँचा रही हैं

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने पार्टी को युवा नेतृत्व देने के लिये अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बना दिया है। अब उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड को छोड़कर बाकी प्रदेशों में संगठन का काम आकाश आनंद ही संभालेंगे। ब्रिटेन से एमबीए कर चुके 28 वर्षीय आकाश आनंद मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। मायावती ने उन्हें 2019 में पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया था। तभी से उनके मायावती के उत्तराधिकारी बनने की चर्चा चलती रहती थी।आकाश आनंद ने पिछले दिनों सम्पन्न हुये राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में पार्टी की कमान संभाली थी। मगर वहां बसपा के पक्ष में कोई विशेष हवा नहीं बना पाए। कभी देश में प्रमुख राजनीतिक दल रही बसपा अब अपनी राष्ट्रीय मान्यता बचाने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश में चंद्रशेखर रावण भी दलित नेता के तौर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। इसी के चलते मायावती ने बसपा में युवा नेतृत्व देने के लिए अपने भतीजे को मैदान में उतारा है।कांशीराम ने जब 14 अप्रैल 1984 को बहुजन समाज पार्टी का गठन किया था। तब उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आगे चलकर बसपा परिवारवाद की भेंट चढ़ जाएगी। परिवारवाद से बचने के लिए कांशीराम ने शादी नहीं की थी। मायावती की प्रतिभा देखकर कांशीराम ने उन्हें राजनीति में आगे बढ़ाया और अपना उत्तराधिकारी बनाया था। कांशीराम के कारण मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बन पाई।कांशीराम चाहते तो स्वयं मुख्यमंत्री बन सकते थे। मगर वह किंग मेकर की भूमिका में ही रहना चाहते थे। इसलिए उन्होंने मायावती को आगे बढ़ाया। आज उन्हीं मायावती ने अपने भतीजे को पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित कर बसपा को परिवारवाद के रास्ते पर धकेल दिया है। वर्तमान समय में बसपा राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ गई है। उनके परंपरागत दलित मतदाता भी छिटक रहे हैं। वैसे भी विषम परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए मायावती को किसी युवा नेता की तलाश थी। मगर उन्होंने किसी बाहरी व्यक्ति पर भरोसा करने की बजाय अपने भतीजे को ही अपना उत्तराधिकारी बनाना बेहतर समझा।हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बसपा का ग्राफ गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली।इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली। बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले हैं। मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी नहीं जीत पायी। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उतराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधायक है।उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 की विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे।

उपरोक्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे।1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पांच सीट तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने 11 सीट तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने तीन सीट व 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने चार सीटें जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे।पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते 10 सीटों पर जीत जरूर हासिल कर ली थी। मगर उसके बाद मायावती ने सपा से चुनावी गठबंधन समाप्त कर एकला चलो की नीति पर ही 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा था। 2022 में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां से बसपा एक ताकत बनकर उभरी थी और चार बार सरकार बना चुकी है। वहां मात्र एक सीट पर सिमट गयी थी।

कांशीराम के जमाने में बसपा का पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे कई प्रदेशों में बड़ा प्रभाव रहता था। जो अब सिमटने लगा है। बसपा से जीते हुए बहुत से सांसद, विधायक दल बदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। जिससे बसपा कमजोर होने लगी है। राजस्थान विधानसभा के 2008 व 2018 के चुनाव में बसपा से 6-6 विधायक चुनाव जीते थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में विलय कर गहलोत सरकार में मंत्री व अन्य लाभकारी पदों पर बैठ गए थे। कभी कैडर पार्टी का मुख्य आधार होता था। मगर आज पार्टी में कैडर नाम मात्र का भी नहीं बचा है। पार्टी के अधिकांश बड़े पदों पर दलबदलुओं का कब्जा हो गया है। मायावती ना तो भाजपा के साथ जाना चाहती है और ना ही इंडिया गठबंधन में शामिल होना चाहती है।

संपादकीय

मायावती का एकला चलो रे... का फैसला

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो सुश्री मायावती का अपने जन्मदिन के मौके पर यह ऐलान लोगों को चौंका सकता है कि आगामी लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी किसी भी गठबन्धन का हिस्सा न बनकर एकला ही चलेगी, क्योंकि बहुत से लोगों को भरोसा था कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जीवन के 68 साल पूरा करने वाली बहुजन नेता इंडिया गठबन्धन के साथ जा सकती हैं। फिर, लोग यह भी सोच सकते थे कि यह उनके सामने नायाब अवसर था कि वे खुद पर भारतीय जनता पार्टी की बी टीम होने का ठप्पा व कलंक मिटा सकती थीं।

बहरहाल, मायावती के इस फैसले को लेकर अधिकतर का मानना है कि वे भाजपा से घबराई हुई नेता हैं और फिलहाल अपने अस्तित्व को बचाने की राजनीति कर रही हैं। जिस तरह से देश भर में विपक्षी नेताओं पर चल रहे केन्द्रीय जांच एजेंसियों के छापों से मायावती बची हुई हैं, उस सुरक्षा कवच को बनाये रखने के लिये उनके वास्ते लाजिमी था कि वे इंडिया की ओर झांके भी नहीं। भाजपा के नेतृत्व में बने एनडीए से भी विलग रहने का उनका फैसला बतलाता है कि वे अपनी बहुजन नेता की पहचान को भी बचाये रखना चाहती हैं। ऐसा भी अनुमान है कि उन्हें चुनाव लड़ने के लिये किसी भी तरह की संसाधन सम्बन्धी कमी भाजपा की ओर से नहीं आने दी जायेगी।मायावती के इस फैसले के बाद इस बात पर मंथन होना स्वाभाविक है कि उनका फैसला कितना सही है। सम्भव है कि उन्होंने दोनों गठबन्धनों (एनडीए-इंडिया) में से किसमें शामिल हुआ जाये, इसका निर्णय इस आधार पर लिया होगा कि किससे पार्टी को कम नुकसान होगा। अधिक लाभ पर विचार करने का इसलिये सवाल ही नहीं रह गया है कि पिछले कुछ समय से बहन जी जिस प्रकार की राजनीति कर रही हैं, उसमें अब उनकी पार्टी का दबदबा लगभग समाप्त हो चुका है और उन्हें अब अपने दल व खुद को तो बचाये रखना ही है, अपने उत्तराधिकारी आकाश को भी ठीक-ठाक स्थापित करना है। हालांकि इस फैसले ने साबित कर दिया है कि उन्हें भाजपा की बी टीम कहलाये जाने से कोई समस्या नहीं है और न ही जिन दलितों, शोषितों व वंचितों का वे प्रतिनिधित्व करती हैं, उनके हितों से कोई सरोकार है। पिछले दिनों उनके एक सांसद दानिश अली के खिलाफ भरी लोकसभा में भाजपा के रमेश बिधूड़ी ने अपशब्दों का इस्तेमाल किया पर जिस प्रकार से उन्हें मायावती ने अकेला छोड़ दिया, उससे साबित हो चुका था कि वे पहले की तरह बहुजनों व अल्पसंख्यकों की सच्ची नुमाईदगी करने के लायक नहीं रह गई हैं। ऐसे ही, उनके अपने उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार होते रहे और वे चुप रहीं, उससे साफ हो चुका था कि उनका लड़ने का माद्दा भी चुक गया है।2022 के प्रारम्भ में हुए उप्र विधानसभा चुनाव भी उन्होंने स्वतंत्र होकर लड़ा जिसका नतीजा यह रहा कि बसपा का सदन में केवल एक ही विधायक जीतकर आया। 2019 के चुनावों में अलबत्ता उसे 10 सीटों पर सफलता मिली थी। सम्भवत: मायावती की उम्मीद यह है कि इस बार भी उन्हें कम से कम इतनी या इससे बढ़कर सीटें मिल सकती हैं लेकिन वे यह भूल रही हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा की दुर्गति से लोकसभा चुनाव में सफलता का आधार कमजोर हो चुका है।

हालांकि मौजूदा सियासी परिस्थितियों को देखते हुए यह चुनाव पार्टीगत हार-जीत से बढ़कर लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बन चुका है जिसमें हर संगठन व नेता से देश एक निश्चित भूमिका की अपेक्षा कर रहा है। फिर, मायावती का जो समर्थक वर्ग है, उसी का भाजपा के दो शासनकाल में सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीति ने गैरबराबरी को बेइंतिहा बढ़ाया है। जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा शासकीय राशन पर निर्भर है। राजनैतिक निरंकुशता सतत बढ़ी है जिसमें कुचले जाने वालों में दलित, अल्पसंख्यक और वंचित समूह हैं। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण एवं सामाजिक विखंडन के शिकार भी जो लोग हैं, वे मायावती का ही अनुसरण करते हैं।

भारत में आय की असमानता का कम होना सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है

भारत के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से भारत के आर्थिक क्षेत्र में च आकार का विकास हो रहा है। आर्थिक दृष्टि से च आकार के विकास से आशय यह है कि देश की अर्थव्यवस्था में गरीब अधिक गरीब हो रहा है और अमीर और अधिक अमीर हो रहा है। हालांकि हाल ही के समय में भारत में आय, बचत, उपभोग एवं खर्च आदि के सम्बंध में इस प्रकार की नीतियां बनाई जाती रही हैं कि देश के गरीब वर्ग को अधिकतम लाभ मिले। इसके लिए कई विशेष योजनाएं, जैसे, गरीब अन्न कल्याण योजना, उज्ज्वला योजना, आयुषमान भारत योजना, आवास योजना एवं प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना आदि चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत सब्सिडी आदि की राशि लाभार्थियों के खातों में सीधे ही हस्तांतरित कर दी जाती है। इससे गरीब वर्ग के लाभार्थियों को सहायता की राशि 100 प्रतिशत तक मिल जाती है और इसमें भ्रष्टाचार की सम्भावना लगभग शून्य हो जाती है।

भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा भारत के आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए आयकर विवरणियों सम्बंधी आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करते हुए यह बताया है कि भारत में नागरिकों के बीच आय की असमानता कम हो रही है। देश में वित्तीय वर्ष 2014 में व्यक्तिगत आयकर रिटर्न फाइल करने वाली कुल संख्या में 36.3 प्रतिशत संख्या निम्न आय वर्ग की श्रेणी के नागरिकों की थी और यह वर्ग अब वित्तीय वर्ष 2021 में मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गया है तथा इस बीच इस वर्ग की आय 21.1 प्रतिशत बढ़ी है। इस कारण के चलते 3.5 लाख रुपए वार्षिक आय वाले नागरिकों की संख्या वित्तीय वर्ष 2014 में 31.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2021 में 15.8 प्रतिशत रह गई है। इसी प्रकार, सबसे अधिक आयकर अदा करने वाले 2.5 प्रतिशत नागरिकों का कुल आय में योगदान 2.81 प्रतिशत से घटाकर 2.28 प्रतिशत हो गया है। अतः देश में मध्यम आय वर्ग के नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आय कर दाखिल करने वाले नागरिकों की प्रति व्यक्ति औसत आय वित्तीय वर्ष 2014 में 3.1 लाख रुपए से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021 में 11.6 लाख रुपए हो गई है और वित्तीय वर्ष 2022 में यह 12.5 से 13 लाख रुपए के बीच रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

भारत के आर्थिक विकास में भारतीय महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ रही है। कुल श्रमिक तंत्र में महिलाओं की संख्या 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है। महिलाएं आज कृषि के क्षेत्र में भी अपना योगदान लगातार बढ़ाती जा रही हैं। आयकर विवरणियां फाइल करने में भी महिलाओं की संख्या अब 15 प्रतिशत हो गई है। भारत में लगातार तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते आज भारत में दोपहिया वाहनों की तुलना में चार पहिया वाहनों के बिक्री में अधिक वृद्धि दर हासिल हो रही है। वित्तीय वर्ष 2019 में 2.12 करोड़ दोपहिया वाहनो बिक्री हुई थी, जबकि उस वर्ष कृषि क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद में केवल 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी और मानसून में भी लगभग 14 प्रतिशत की कमी रही थी। वर्तमान वित्तीय वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री 1.8 करोड़ की रही है। इसके पीछे मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि एक तो मध्यम वर्ग अपने लिए मकानों की खरीद अधिक मात्रा में कर रहा है और दूसरे मध्यम वर्ग आज दोपहिया वाहनों के स्थान पर चार पहिया वाहन खरीदने की ओर आकर्षित हुआ है। इसी प्रकार, आज अर्द्धशहरी क्षेत्रों में लगभग 2 करोड़ परिवार खाद्य पदार्थों को खरीदेने हेतु ÷जोमटो ऐप÷ का उपयोग कर रहे हैं। अतः आज भारत के मध्यम वर्ग का टेस्ट बदल रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था में नागरिकों का उक्त व्यवहार यदि आगे आने वाले समय में भी जारी रहता है तो एक अनुमान के अनुसार, अगले दशक की समाप्ति पर 50 प्रतिशत उत्पादों का उपभोग (लगभग 16 लाख करोड़ रुपए) गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों में से 90 प्रतिशत नागरिको द्वारा किया जाने लगेगा। आज गरीब वर्ग को केंद्र सरकार द्वारा बहुत बड़े स्तर पर मुफ्त अनाज, मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं एवं मकान आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं (अभी तक 4 करोड़ परिवारों को रहने के लिए मकान उपलब्ध कराए जा चुके हैं), जिसके कारण इस वर्ग की 8.2 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्तउपभोग कर सकने की क्षमता बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2013-14 से वित्तीय वर्ष 2021-22 के बीच 5 लाख से 10 लाख रुपए की आय वाले वर्ग में आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 295 प्रतिशत से बढ़ी है। इसी प्रकार, 10 लाख रुपए से 15 लाख रुपए की आय वाले वर्ग में आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 291 प्रतिशत से बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2022 में 7 करोड़ नागरिकों द्वारा आय कर विवरणियां फाइल की गई थी, यह संख्या वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 7.4 करोड़ हो गई और अब वित्तीय वर्ष 2024 में 8.5 करोड़ हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यह संख्या देश में औपचारिक क्षेत्र में कुल श्रमिकों की संख्या का 37 प्रतिशत है।

पारम्परिक रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली एवं कर्नाटक राज्यों से आयकर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या अधिक रहा करती थी परंतु अब कुछ नए राज्य तेजी से इन राज्यों को पीछे छोड़ने के प्रयास में आगे बढ़ रहे हैं। इनमे प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश राज्य है। इसके बाद आंध्र प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश एवं हरियाणा राज्य आते हैं। अब इन राज्यों से भी आय कर विवरणियां फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।

व्यक्तिगत आय कर अदा करने वाले नागरिकों के अतिरिक्त सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी की इकाईयों में भी लगभग इसी प्रकार के परिवर्तन दिखाई दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2014 से वित्तीय वर्ष 2021 के बीच सूक्ष्म आकार की 19.5 प्रतिशत इकाईयों की आय बहुत तेज गति से बढ़ी है और अब सूक्ष्म आकार की ये इकाईयां छोटी, मध्यम एवं बड़ी श्रेणी की इकाईयों में परिवर्तित हो गई हैं। इन सूक्ष्म इकाईयों में से 4.8 प्रतिशत इकाईयां छोटी श्रेणी की इकाईयों में, 6.1 प्रतिशत इकाईयां मध्यम श्रेणी की इकाईयों में एवं 9.3 प्रतिशत इकाईयां बड़ी श्रेणी की इकाईयों में परिवर्तित हो गई हैं। विशेष रूप से भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के लागू होने के बाद से सूक्ष्म आकार की इकाईयां, छोटे आकार, मध्यम आकार एवं बड़े आकार की इकाईयों में परिवर्तित होती जा रही हैं। हाल ही के समय में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी की इकाईयों को बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋण की राशि में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने में आई है। वित्तीय वर्ष 2023 में उक्त वर्ग की इकाईयों के 2.13 करोड़ खातों में 22.6 लाख करोड़ रुपए का ऋण प्रदान किया गया था और जो औसत रूप से प्रति ऋण खाता लगभग 10.6 लाख रुपए बैठता है।

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढकर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

व्यायाम से लौट सकती है चेहरे की कोमलता

हर किसी केजीवन में एक समय ऐसा जरूर आता है जब त्वचा की कुदरती चमक और लचीलापन धीरे-धीरे खत्म होने लगता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- अचानक वजन घटाना, आपकी जीवन शैली, आपकी उम्र, आहार में पोषक तत्वों की कमी आदि। इन सभी कारणों में से अपने कारण को जानकर आप अपनी त्वचा की उचित देखभाल कर सकती हैं। दरअसल त्वचा के कोश उम्र बढने के साथ-साथ निस्तेज और निष्क्रिय होते जाते हैं, लेकिन उचित देखभाल और व्यायाम से ये कोश दोबारा सक्रिय और जीवित हो उठते हैं।

चेहरे और गले की झुर्रियां उचित और नियमित व्यायाम से दूर हो सकती हैं, लेकिन उचित देखभाल के लिए जरूरी है त्वचा को सही पोषण देना और उसकी कुदरती नमी लौटाना। इसके लिए दिन में दो बार त्वचा पर मॉयस्चराइजंग क्रीम लगाना जरूरी होता है। इसके अलावा कुछ आवश्यक व्यायाम भी त्वचा की कोमलता और कसाव बनाए रखने में मदद करते हैं।

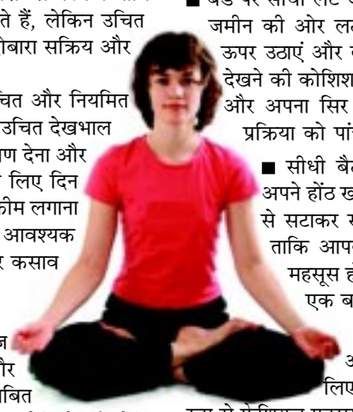

एक्सरसाइज करें

यहां बताई जा रहीं एक्सरसाइज डबल चिन, गले की ढीली त्वचा और झुर्रियों को दूर करने में मददगार साबित होंगी। इतना ही नहीं, ये त्वचा की मांसपेशियों की टोनिंग भी करेंगी।

- जमीन या कुर्सी पर सीधी बैठ जाएं। अपना सिर पीछे ले जाकर आसमान की ओर देखें। अपने होंठ बंद रखें और अपने मुंह को इस प्रकार चलाएं जैसे च्विंगम चबा रही हों। आप महसूस करेंगी कि आपके गले की और उसके आसपास की मांसपेशियां काम कर रहीं हैं। इस क्रिया को बीस बार दोहराएं। ऐसा करने से आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे।
- जमीन या कुर्सी पर सीधी बैठ जाएं। अपना सिर पीछे की ओर ले जाएं और आसमान की ओर देखें। अपने होंठों को बंद रखें और आराम की मुद्रा में रहें। बहुत ज्यादा खिंचाव या कसाव न महसूस करें। अब अपने होंठों को इस प्रकार सिकोडें और फिर खींचें जैसे आप छत या आसमान को चूमना चाहती हैं। अपने होंठों को सिकोड कर मन में दस तक गिनें, फिर आराम की मुद्रा में आएं और अपना सिर वापस सीधा करें। ऐसा पांच बार करें।
- बेड पर सीधी लेट जाएं। अपना सिर बेड के किनारे पर जमीन की ओर लटकाएं। अब धीरे-धीरे अपना सिर ऊपर उठाएं और दस तक गिनते हुए अपने पंजों को देखने की कोशिश करें। फिर आराम की मुद्रा में आएं और अपना सिर फिर उसी अवस्था में लाएं। इस प्रक्रिया को पांच बार दोहराएं।
- सीधी बैठ जाएं अपना चेहरा सामने रखें। अपने होंठ खोलते हुए अपने दांतों को एक-दूसरे से सटाकर रखें और अपने जबडों को फैलाएं, ताकि आपके दांत जबडों से अलग होते हुए महसूस हो। एक बार जबडों को फैलाएं और एक बार उन्हें सिकोडने की कोशिश करें।

अपने रूप और लावण्य को अधिक समय तक कायम रखने के लिए शारीरिक व्यायाम की भांति नियमित रूप से फेशियल एक्सरसाइज की भी जरूरत होती है। इन्हें करने के लिए बहुत ज्यादा समय या मशक्कत की जरूरत भी नहीं पडती और ये आपकी त्वचा को टोन करने में मदद करते हैं। इनसे शरीर को जरूरी पोषण देने के लिए रक्त संचार भी बढता है और शरीर के हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। एक माह के लिए यह फेशियल नियमित रूप से करने पर बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और चेहरे पर चमक और त्वचा का लचीलापन बरकरार रखने के लिए आप बाद में यह एक्सरसाइज हफ्ते में तीन बार भी कर सकती हैं। ये व्यायाम सिर्फ प्रौढ स्त्री के लिए ही नहीं हैं, इन्हें युवतियां भी कर सकती हैं ताकि उनके चेहरे पर उम्र का असर काफी समय बाद हो।

हेल्थ प्लस

फल-सब्जियां खाएं मोटापा घटाएं

मोटापे से परेशान लोगों को सब्जियां और फल ज्यादा खाना चाहिए, क्योंकि इनमें प्रचुर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है। इससे पेट भी जल्दी भर जाता है और शरीर में कैलॉरी भी ज्यादा नहीं जा पाती। जबकि चीज, फ्रेंच फ्राइज, छोले-भटूरे, बर्गर, सैंडविच, समोसा, कचौरी और लती-भुनी चीजों की थोड़ी सी भी मात्रा लेने से शरीर को बहुत ज्यादा कैलॉरी मिलती है। डॉ. बारबरा रोल्स ने 20 बर्षों तक मेयोक्लिनिक (अमरीका) में भोजन की मात्रा और मोटापे पर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल लोग जब उनकी 'वाल्यूमैट्रिक्स लैब' में भोजन कर रहे होते हैं तब वे चुपके से उनकी फिल्म उतार लेती है। बाद में अध्ययन कर निष्कर्ष निकालती है कि खान-पान में शामिल किन वस्तुओं का भूख और वेट लॉस पर क्या प्रभाव पड़ता है।

बारबरा के अनुसार साग-सब्जियां और फल ज्यादा खाने वालों का वजन घटता है। अत: अपना वजन घटाना है, तो फल-सब्जियां ज्यादा खाइए और तली-भुनी चीजों पर कंट्रोल करिए।

गुणों से भरपूर अंगूर

अंगूर पौष्टिक, स्वादिष्ट और रक्तशोधक फल होता है। शारीरिक रूप से निर्बल लोगों के लिए अंगूर वरदान है। स्वस्थ स्त्री-पुरूष भी अगर अंगूर खाते हैं, तो उनमें शक्ति का विकास होता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अंगूर अनेक रोगों को नष्ट करता है। संस्कृत में अंगूर को 'द्राक्षा' कहा जाता है।

महर्षि चरक के मतानुसार अंगूर मे तृष्णा, ज्वर, श्वास, रक्तपित्त, क्षय, उदावर्त, स्वरभंग, उल्टी, सूजन, पीलिया, वातरक्त तथा वायु को नष्ट करने की क्षमता होती है। अंगूर के खाने से सभी स्त्री-पुरूष और बच्चों को भरपूर शक्ति मिलती है। किसी रोग से निर्बल हुए व्यक्ति के लिए तो अंगूर अत्यंत गुणकारी है, क्योंकि इसका पाचन भी शीघ्र ही हो जाता है। शारीरिक रूप से निर्बल स्त्री-पुरूष को थोड़े-थोड़े अंगूर खाने चाहिए, क्योंकि अधिक खा लेने से अतिसार (दस्त) होने का भय रहता है।

अंगूर अधिक विरेचक फल होता है। गर्भावस्था में युवतियां अंगूर का खूब उपयोग कर सकती है। इससे काफी शक्ति मिलती है। अंगूरों के सेवन से रक्ताल्पता (एनीमिया) में बहुत लाभ होता है। अंगूर गाढ़े रक्त को पतला करके शरीर के सभी अंगों में पहुंचाता है। इससे सभी मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त मिलता है।

द्राक्ष में लौह की मात्रा कम होने पर भी पाण्डु रोग में यह बहुत ही उपयोगी है। इसमें अवस्थित मैलिक एसिड, साइट्रिक एसिड और टार्टारिक एसिड जैसे तत्त्व रक्त शुद्धि करते हैं। रक्त शोधक गुण के कारण अंगूर त्वचा के अनेक रोगों को दूर करके त्वचा को कोमल एवं सुंदर बनाता है। इसके सेवन से फोड़े-फुंसियों से मुक्ति मिलती है।

अंगूर के सेवन से वक्षस्थल के अनेक रोग नष्ट होते हैं। अंगूर सुपाच्य और रक्तवर्द्धक होने के साथ ही शीतवीर्य भी होता है। इस गुण के कारण अंगूर पित्त को भी शांत करता है। अंगूर मस्तिष्क को शीतलता प्रदान करता है तथा स्मरण शक्ति भी तेज बनाता है। अंगूर से नेत्रों को भी लाभ मिलता है। अंगूर के सेवन से स्त्रियों के सौंदर्य एवं आकर्षण में वृद्धि होती है।

विशेष रूप से दुबली-पतली व शारीरिक रूप से निर्बल लड़कियां अगर अंगूर का सेवन करती हैं तो उनके शरीर में रक्त के विकास से चेहरे पर लालिमा आ जाती है। प्रसव के बाद अंगूर का सेवन करने से गर्भावस्था की निर्बलता और रक्त की कमी नष्ट होती है। अजीर्ण, अग्निमाद्य और भोजन में अरूचि होने के स्थिति में अंगूरों के सेवन से पाचन किया तीव्र होकर भूख लगती है। अंगूरों (द्राक्षा) को सुखाकर बनाए गए मुनक्का को हल्का गर्म करके काला नमक और मिर्च लगाकर खाने से भूख बढ़ती है।

अमरीका की सुप्रसिद्ध चिकित्सक जोहाना ब्राण्ट ने अपनी पुस्तक 'दि ग्रेप क्योर' में लिखा है कि अंगूर के रस से मात्र डेढ़ माह में ही 'द्राक्षाकल्प' के माध्यम से आमाशय कैंसर के रोगी को रोगमुक्त करने में सफलता प्राप्त हुई। ५० ग्राम मुनक्का को जल में डालकर रात में रख दें। सुबह उठकर उन्हें थोड़ा-सा मसलकर नमक डालकर खाने से उदर संबंधी अनेक विकार दूर होते हैं। पुरूषों में वीर्य शक्ति के साथ ही स्तम्भन शक्ति भी बढ़ती है।

दस ग्राम मुनक्का को दूध में उबालकर पीने से कब्ज नष्ट होता है। बार-बार चक्कर आने पर २० ग्राम मुनक्का को घी में भूनकर हल्का-सा सेंधा नमक मिलाकर खाने से लाभ होता है।

मधुमेह रोगियों को अंगूर नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इसमें शर्करा की मात्रा अधिक होती है। ज्वर की अवस्था में भी अंगूर नहीं रोगी को अतिसार का रोगी भी बना सकता है। अंगूर के बेल की मोटी लकड़ी को जलाकर इस्तेमाल करने से वायु विकार नष्ट होते हैं। मूत्राशय की जलन और अवरोध भी नष्ट होता है। संधिशूल और अंडकोश की सूजन भी नष्ट होती है। स्त्रियों में ऋतुस्त्राव की अनेक विकृतियां भी इससे दूर हो जाती है। अंगूर के पत्ते, बेल, छाल आदि सभी गुणकारी होते हैं। बेल के पत्ते से अर्श (बवासीर) में बहुत लाभ मिलता है। बसंत के मौसम में बेल को काटने से जो रस निकलता है, उसे त्वचा पर लगाने से बहुत लाभ मिलता है।

कैसे बढ़ता है कैंसर

कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादन के लिए ग्लूकोज का उपयोग करने के दो तरीके हैं। एक में ऑक्सीजन का उपयोग होता है और भरपूर ऊर्जा पैदा होती है। दूसरे तरीके में ऑक्सीजन का उपयोग नहीं होता और ऊर्जा भी कम पैदा होती है। हाल के अनुसंधान से पता चला है कि कैंसर कोशिकाएं इस दूसरे अकार्यक्षम तरीके का उपयोग करती हैं। इसके लिए वे एक ऐसे एंजाइम को पुन: जागृत कर लेती हैं, जो आम तौर पर भ्रूणावस्था में सक्रिय होता है तथा बाद में निष्क्रिय पड़ा रहता है।

आमतौर पर हमारे शरीर की कोशिकाओं में ग्लूकोज के दहन का यह काम कोशिका के एक विशेष उपांग माइटोकॉण्ड्रिया में किया जाता है। सामान्य कोशिकाएं ग्लूकोज का उपयोग नई कोशिका के निर्माण के लिए पदार्थ (जैसे वसा या डीएनए) बनाने में नहीं करती। मगर कैंसर कोशिकाएं उल्टा काम करती है। वे ग्लूकोज प्राप्त होने पर ऊर्जा तो प्राप्त करती है मगर उसका ज्यादा उपयोग नई कोशिकाओं के लिए जरूरी है कि इसके लिए कोई एंजाइम मौजूद हो। अब हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के लुइम कैटली और उनके सहयोगियों ने इस एंजाइम का पता लगा लिया है-इसका नाम है पीकेएम-2 और यह वयस्क एंजाइम पीएमके-1 का भ्रूण रूप है।

कैंसर कोशिकाओं में यह पीएमके-2 पदार्थों के विघटन को रोक देता है। इस प्रकार से नई कोशिकाओं के निर्माण के लिए पदार्थ उपलाब्ध हो जाते हैं। कैंसर कोशिकाओं की यही तो विशेषता होती है- वे लगातार अनियंत्रित ढंग से नई कोशिकाएं बनाती चली जाती है। दरअसल कैंसर कोशिकाओं की इस विचित्रता को आज से करीब 80 साल पहले एक रसायन शास्त्री ओटो वार्बर्ग ने पहचाना था।

उन्होंने देखा था कि सामान्य कोशिकाओं के विपरीत कैंसर कोशिकाएं ऊर्जा उत्पादन का काम एक अकार्यक्षम तरीके ग्लायकोलिसिस के जरिए करती हैं। इस प्रक्रिया में ऑक्सीजन का उपयोग नहीं होता (आम कोशिकाएं ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में कभी-कभार ग्लायकोलिसिस का उपयोग करती हैं मगर कैंसर कोशिकाएं पर्याप्त ऑक्सीजन होने पर भी इसी तरीके का उपयोग करती हैं)। वार्बर्ग का मत था कि यही फेरबदल कैंसर की शुरूआत करता है। अलबत्ता, इस वार्बर्ग प्रभाव को उस समय अनदेखा कर दिया गया था। अधिकांश लोगों का मत था कि वार्बर्ग प्रभाव कैंसर का कारण नहीं हैं बल्कि कैंसर का परिणाम है, मगर पिछले साल एक दवा विकसित की गई थी- डाईक्लोरोएसिटेट। यह दवा देने पर कोशिका का ऊर्जा उत्पादन वापिस सामान्य रूपसे माइटोकॉण्ड्रिया में होने लगता है। इससे चूहों में कैंसर को पलटने में मदद मिली है। अब डाईक्लोरोएसिटेट के इंसानी परीक्षण चल रहे हैं।

सिरदर्द

आपने कभी अपने सुबह अपने माथे को रगड़ते हुए बिताई है? जी हां, हम सिरदर्द की ही बात कर रहें है। डाक्टरों का मानना है। कि इस के पीछे चाहे जो भी कारण हो पर सब से बड़ी वजह है। शरीर में पानी की कमी से मस्तिष्क में पानी की कमी। हमारे मस्तिष्क का 3/4 हिस्सा पानी है। डिहाइड्रेशन की वजह से शरीर में साडियम व पोटाशियम का संतुलन गड़बड़ा जाता है।जिस से शरीर के दूसरे अंगों पर दबाव बढ़ता है और फिर सारा मैसेज मस्तिष्क तक पहुंचता है। मगर जब मस्तिष्क में पानी की कमी की वजह से सारी क्रि याएं ठीक ढंग से नहीं हो पातीं तो मस्तिष्क पर दबाव बढ़ जाता है। और आप सिरदर्द के शिकार हो जाते है। इस से बचने का एक तरीका है। कि ज्यादा से ज्यादा पानी पीया जाए। चायकौफी वगैरह कुछ देर तो सिरदर्द से आराम देंगे मगर ये शरीर में पानी की और कमी कर देंगे। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना एकाग्रता भी बढ़ाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1954

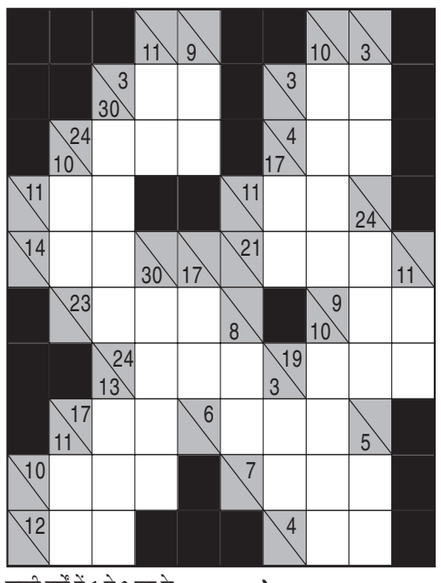

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

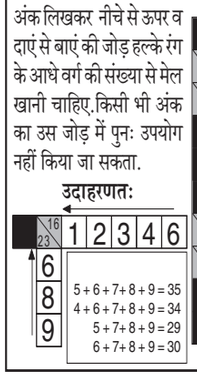

काकुरो - 1953 का हल

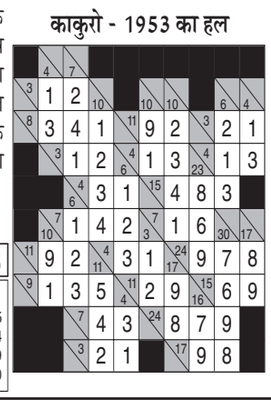

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1954

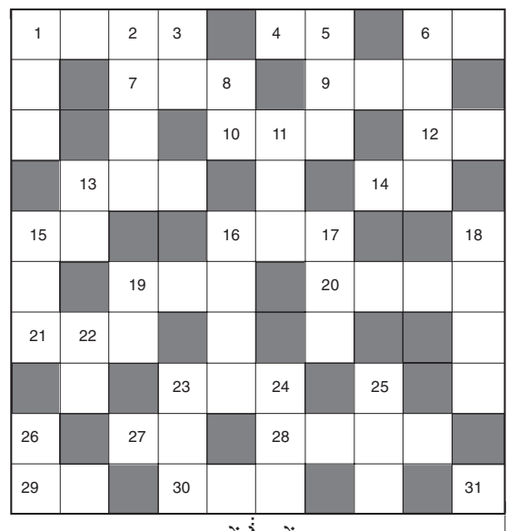

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुध्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1953

घ	रौं	दा		जा	लि	म		आ	
र		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		व			मा		र
खे	ल		नू	र	ज	हाँ		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आँ	सू	
शा	न			औ	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			रा	खी		
र्द		ल्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		ना		ना	गि	न		श

सूडोकु -1954

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1953 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 1954

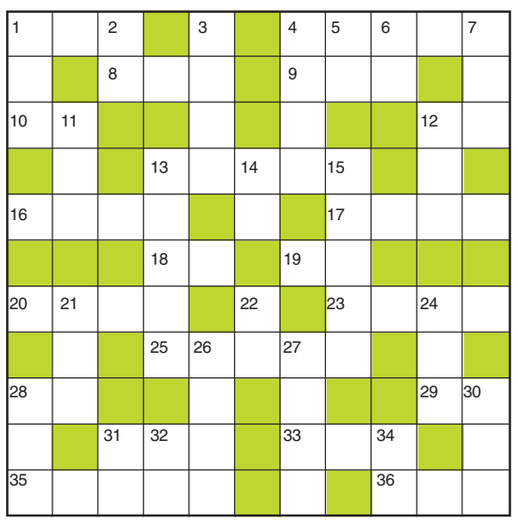

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली - 1953 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झो			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्मा		मा	त	ह	त
			क	थ		का	न			
प	न	घ	र		आ		दा	न	बी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

महुआ मोइत्रा को मिला बेदखली का नया नोटिस

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की नेता महुआ मोइत्रा को नई दिल्ली में सरकार द्वारा आवंटित आवास खाली करने के लिए नया नोटिस मिला है। सरकारी आवास खाली करने के लिए यह नोटिस संपदा निदेशालय की तरफ से तीसरी बार भेजा गया है। बुधवार को बेदखली का यह नया नोटिस सरकारी आवास की दीवार पर चस्पा दिया गया है। संपदा अधिकारी और संपदा निदेशक (मुकदमेबाजी), संपदा निदेशालय के कार्यालय की ओर से यह नोटिस 16 जनवरी मंगलवार को जारी किया गया है।

नोटिस में 17 जनवरी को संपदा निदेशक कार्यालय में हाजिर होने के लिए कहा गया है। उल्लेखनीय है कि 8 दिसंबर को पैसे के बदले सवाल पूछने के मामले में तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता चल गई थी। उनके खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को लोकसभा ने पारित कर दिया था। सदस्यता जाने पर उन्हें एक महीने में सरकारी बंगला खाली करना था।

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई ने 4 किलो सोना जब्त किया, 4 गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 2 करोड़ रुपये से अधिक कीमत का 4 किलोग्राम सोना जब्त किया है। इस संबंध में डीआरआई की टीम ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीआरआई सूत्रों के अनुसार मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई की टीम निगरानी कर रही थी। इसी दौरान जेद्दा से आए दो संदिग्ध लग रहे यात्रियों के सामान की जांच की गई। जांच के दौरान दोनों यात्रियों के इनरवीयर में मोम के रूप में दो किलोग्राम सोने की धूल मिली। जो दोनों यात्रियों के इनरवियर में विशेष रूप से सिला हुआ था, जिसे डीआरआई की टीम ने जब्त कर लिया। इसके बाद दोनों के सामान की तलाशी के दौरान 3 मिक्सर ग्राइंडर में छिपाकर लाए गए 2 किलोग्राम सोने के टुकड़े मिले, जिसे जब्त कर लिया गया। इस प्रकार 2.59 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 4 किलोग्राम तस्करी का सोना बरामद किया गया।

असम के दरंग जिला में कांपी धरती, भूकंप की तीव्रता रही 3.5

दरंग (असम)। असम के दरंग जिला में बुधवार सुबह सात बजकर 54 मिनट 52 सेकंड पर 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। कुछ समय तक लोग डरे रहे। सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र दरंग जिला में जमीन से 20 किलोमीटर नीचे रहा। भूकंप का एपी सेंटर 26.55 उत्तरी अक्षांश तथा 92.13 पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता को लेकर 22 जनवरी को होगी सुनवाई, उद्धव गुट ने SC में दायर की थी याचिका

नई दिल्ली। शिवसेना विधायकों की अयोग्यता के मामले में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुनवाई 22 जनवरी तक के लिए टाल दी है। खबर अनुसार, CJI चंद्रचूड़, जज जेबी पारदीवाला और जज मनोज मिश्रा की पीठ ने उद्धव ठाकरे गुट की याचिका याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि सुनवाई अगले सप्ताह सोमवार तक की जाए।

उपराष्ट्रपति ने उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से जुड़ी केन्द्रीय मंत्री मांडविया की पुस्तक का किया विमोचन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की पुस्तक 'उर्वरक आत्मनिर्भरता की राह' के हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण का आज विमोचन किया। यह पुस्तक उर्वरकों के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का रोचक विवरण उपलब्ध कराती है। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की पुस्तक 'उर्वरक आत्मनिर्भरता की राह' और 'फर्टिलिसिंग द फ्यूचर- भारत मार्च टूवार्ड फर्टिलाइजर सेल्फ सुफीशियंसी' का विमोचन किया। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है। केन्द्रीय

मंत्री ने इसका लिंक साझा करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उर्वरक क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की ओर है। इसके विवरण में बताया गया है कि भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बना, जिसने क्रांतिकारी नैनो यूरिया का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने में सफलता हासिल की। इसी तरह से नैनो डीएपी विकसित करने में भी भारत ने इतिहास बनाया।

पिछले कुछ सालों में दुनिया के कई देशों ने उर्वरक संकट की समस्या को झेला लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने इन संकटों का असर अपने देश के किसान और किसानी पर नहीं पड़ने दिया।

प्रधानमंत्री ने केरल में 4 हजार करोड़ की 3 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं

नई दिल्ली/कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को केरल में कोच्चि यात्रा के दौरान 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की तीन प्रमुख निर्माण परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से देश के दक्षिणी क्षेत्र की प्रगति और विकास में तेजी आएगी। उद्घाटन की गई परियोजनाओं में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में न्यू ड्राई डॉक (एनडीडी), सीएसएल की इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) और पुथुवाइपीन, कोच्चि में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एलपीजी आयात टर्मिनल शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक में हुए महत्वपूर्ण सुधारों ने बंदरगाहों, शिपिंग और अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्रों में 'व्यापार करने में आसानी' को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा,

'बंदरगाह, नौवहन और अंतर्देशीय जलमार्ग के सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाने के लिए पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा अनेक सुधार किए गए हैं। इससे बंदरगाहों में अधिक निवेश आया है और ज्यादा रोजगारों का सृजन हुआ है।' उन्होंने कहा कि आज समर्पित की गई तीनों परियोजनाओं का उद्देश्य भारत के बंदरगाहों, शिपिंग और जलमार्ग क्षेत्र को बढ़ावा देना है। मोदी ने कहा, 'आजादी के अमृतकाल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में देश के हर राज्य की अपनी भूमिका है। भारत जब समृद्ध था, उस समय वैश्विक जीडीपी में हमारी भागीदारी बहुत बड़ी थी, तब हमारी ताकत हमारे पोर्ट्स और पोर्ट सिटी थे। आज जब भारत फिर से ग्लोबल ट्रेड का एक बड़ा केंद्र बन रहा है, तो हम फिर से अपनी समुद्री शक्ति को बढ़ाने में जुटे हैं।'

उन्होंने कहा कि हम भारत को समुद्री शक्ति बनाने के लिए बड़े बंदरगाहों और जहाज निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आज जिन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, वे भारत के समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने में केरल की भूमिका बढ़ाने में मदद करेंगे।

नगालैंड के मोकोकचुंग पहुंची राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

मोकोकचुंग (नगालैंड)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा चौथे दिन बुधवार को नगालैंड के मोकोकचुंग पहुंची। रास्ते में राहुल गांधी ने रुक-रुक कर स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान कई बाइकर्स से भी रुक कर बात की। राहुल गांधी ने मोकोकचुंग की एक जनसभा में राष्ट्रीय और स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में बताया कि राहुल गांधी की यात्रा में लोगों की अपार भीड़ उमड़ रही है। राहुल ने तीसरे दिन मंगलवार को यात्रा की शुरुआत कोहिमा वॉर मेमोरियल पर बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करके की। यह स्मारक द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान कोहिमा की लड़ाई में बलिदान हुए सैनिकों की याद में बनाया गया है। इस युद्ध में 2500 से अधिक सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे, जिसमें 917 भारतीय भी थे। इन सभी बलिदानियों के नाम यहां अंकित हैं।

झांसी किले से दिल्ली तक नारी शक्ति वंदन दौड़ का शुभारंभ

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई के ऐतिहासिक किले से नई दिल्ली तक बुधवार को नारी शक्ति वंदन दौड़ का शुभारंभ किया गया।

इस दौड़ को 31 आर्म्ड कमांड के जेसीओ मेजर एमके माथुर ने झंडी दिखाकर रवाना किया। शुभारंभ के मौके पर एमके माथुर ने कहा कि यह नारी शक्ति वंदन दौड़ नारी शक्ति को समर्पित है, जो महिलाओं में उत्साह व आत्मविश्वास का संचार करेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मंच पर उपस्थित वीर नारियों में रक्षपाल कौर और संतोष कुमारी का सम्मान जेसीओ मेजर एमके माथुर ने शॉल देकर किया। दौड़ में शामिल महिलाओं का यह काफिला प्रतिदिन करीब 80 किलोमीटर चलेगा और छठवें दिन दिल्ली पहुंचेगा। झांसी और

दिल्ली के बीच की दूरी करीब 470 किलोमीटर है। इसका नेतृत्व एनसीसी के उत्तराखंड निदेशालय की मेजर शशि मेहता कर रही हैं। इसमें मेजर शशि मेहता के साथ एनसीसी की गर्ल्स कैडेट्स भी शामिल रहेंगी। यह दौड़ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए भी एक प्रयास है। यह नारी शक्ति वंदन दौड़ झांसी से ग्वालियर, आगरा और मथुरा होते हुए नई दिल्ली के करिअप्पा परेड ग्राउंड पर समाप्त होगा।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दावोस में पहले दिन किया 70 हजार करोड़ का एमओयू

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्विटजरलैंड स्थित दावोस में मैग्नेटिक महाराष्ट्र के अत्याधुनिक हॉल में 70 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये। महाराष्ट्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हब बनाने के लिए 4000 करोड़ रुपये के निवेश पर भी समझौता हुआ है। दावोस में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्योग मंत्री उदय सामंत की मौजूदगी में आईनॉक्स एयर प्रोडक्शन के साथ 25 हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कंपनी के प्रमुख सिद्धार्थ जैन से चर्चा की। अमेरिका की प्रमुख औद्योगिक गैस उत्पादक कंपनी आईनॉक्स महाराष्ट्र में हरित हाइड्रोजन परियोजना स्थापित करना चाहती है। इस संदर्भ में जैन ने मुख्यमंत्री से महाराष्ट्र में हरित हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजनाएं शुरू करने के बारे में भी चर्चा की। सबसे बड़े औद्योगिक समूहों में से एक बीसी जिंदल के साथ आज 41 हजार करोड़ के एमओयू पर भी हस्ताक्षर किये गये। इससे महाराष्ट्र में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण के क्षेत्र में 5000 नौकरियां पैदा होंगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब के लिए 4000 करोड़ रुपये का अनुबंध, महाप्रीत और अमेरिका प्रेडिक्शन ने महाराष्ट्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हब बनाने के लिए 4000 करोड़ रुपये के निवेश पर हस्ताक्षर किए गए। यह भारत में लॉन्च होने वाला

पहला प्रोजेक्ट है। एमओयू पर हस्ताक्षर के समय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उद्योग मंत्री उदय सामंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव भूषण गगरानी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव ब्रिजेश सिंह, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव हर्षदीप कांबले, एमआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विपिन शर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय कोयला मंत्री से की भेंट, कोल ब्लॉक आवंटन की मांग

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न्यूनतम 1000 मेगावाट के पिट-हेड थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिए राज्य को लगभग 125 मिलियन टन भण्डारण क्षमता की एक कोल ब्लॉक का आवंटन की मांग की। इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीति के कारण राज्य में द्रुत गति से औद्योगिक विकास हुआ है, जिसके फलस्वरूप विद्युत की मांग में निरन्तर वृद्धि हुई है। सर्दियों के मौसम में बिजली की कमी गंभीर हो जाती है क्योंकि ठंडे तापमान के कारण नदियों में पानी का बहाव कम हो जाता है। राज्य में बिजली की मांग प्रतिवर्ष लगभग 4 से 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और लीन सीजन की अवधि में प्रतिदिन लगभग 4 से 5 मि.यू. की औसत कमी होती है।

राम मंदिर आंदोलन की वजह से संन्यासी हूं: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठता समारोह का श्रेय नहीं ले रहे हैं। हम तो वहां सेवक बनकर जा रहे हैं। मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत सबको मिला है। उन्हें राम मंदिर में आने से किसी ने रोका नहीं है। वो राम के सेवक बनकर आएं, जो राम का सेवक बनकर आएगा, उसका स्वागत है।राम मंदिर आंदोलन में हम सब बहुत पहले से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से वह संन्यासी हैं। सीएम योगी ने बुधवार को ताज होटल में एक टीवी चैनल द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उनके पूज्य गुरुदेव राम मंदिर के आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उस कालखंड में भी उनके मन में इस आंदोलन का नेतृत्व था और गोरखपीठ उनके साथ थी।' सीएम

योगी ने कहा कि उनके गुरु, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में ये आंदोलन आगे बढ़ा था। अब रामलला प्रकट हो रहे हैं, इससे ज्यादा उत्साह की बात और क्या हो सकती है।' सीएम योगी ने कहा कि हम लोग रामभक्त और राम के सेवक के रूप में मंदिर में मौजूद रहेंगे। हमें सौभाग्य मिला है कि हम रामकाज में सहभागी बन गए हैं। जिस काम को दर्जनों पीढ़ियां नहीं देख पाई, वो समय 500 साल बाद आया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए 3 लाख से ज्यादा लोग शहीद हुए और 76 से ज्यादा बार संघर्ष हुआ। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोग गोरखपीठ आते रहते थे। आज परिणाम के रूप में राम मंदिर सबके सामने है। मेरे गुरु और दादा गुरु इस आंदोलन में शामिल रहे। अब मैं इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनूंगा, ये मेरा सौभाग्य है। सीएम योगी ने कहा कि एक बार फिर रामलला और राम राज्य की अवधारणा सिद्ध हो रही है। राम मंदिर का काम कठिन था। लेकिन ये प्रभु की पहले से रची हुई कृपा है। हम सब उस अभियान के हिस्से हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य असंभव था अगर केंद्र में मोदी सरकार नहीं होती। अब पूरे देश को रामलला के दर्शन करने के लिए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य पार्टियों के चरित्र को जनता जानती है। सीएम योगी ने बताया कि अगर वह सीएम नहीं होते तो भी राम मंदिर आंदोलन में जुड़े होते और सबसे पीछे की कुर्सी पर बैठकर भी गौरवान्वित होते। उन्होंने कहा कि ये समय श्रेय लेने का नहीं है।

'हिंदू जनजागृति समिति की रैलियों में न दिए जाएं नफरत भरे भाषण', SC ने छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र के अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू जनजागृति समिति द्वारा 18 जनवरी को आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम को लेकर रायपुर और यवतमाल प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि हिंदू जनजागृति समिति और बीजेपी विधायक टी राजा सिंह द्वारा आयोजित रैलियों में संभावित नफरत भरे भाषणों पर चिंता जताई गई। इस मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हमें अधिकारियों से इस तथ्य के प्रति सावधान रहने की जरूरत है कि हिंसा या नफरत भरे भाषण की अनुमति नहीं दी जा सकती है।' इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के रायपुर और महाराष्ट्र के यवतमाल के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को दोनों जगहों पर जनवरी में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। जज संजीव खन्ना और जज दीपांकर दत्ता की पीठ ने निर्धारित रैलियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि जिन पार्टियों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषणों के आरोप लगाए गए हैं, वे अदालत के समक्ष नहीं हैं। साथ ही पीठ ने दोनों जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों और एसपी को रैलियों के स्थल पर सीसीटीवी कैमरे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अगर रैली स्थल पर कुछ भी होता है तो नफरत फैलाने वाले लोगों की पहचान की जा सके। शाहीन अब्दुल्ला ने एक आवेदन दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नफरत फैलाने वाले भाषणों के कई मामले सामने आए हैं। इसमें कहा गया है कि यवतमाल जिले में 18 जनवरी को हिंदू जनजागृति समिति की रैली होने वाली है और इसमें नफरत भरे भाषणों की आशंका है।

बीएल संतोष और ब्रजेश पाठक ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों का लिया जायजा

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन मंत्री बीएल संतोष और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बुधवार को अयोध्या पहुंचे और प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। बीएल संतोष और उपमुख्यमंत्री पाठक अयोध्या पहुंचने के बाद सबसे पहले कारसेवकपुरम स्थित विश्व हिन्दू परिषद के कार्यालय गए और संगठन के पदाधिकारियों से भेंट की। इसके बाद वह रामघाट स्थित मंदिर की कार्यशाला पहुंचे। वहां पर वह श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों और भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में प्रदेश के कृषि मंत्री एवं अयोध्या के प्रभारी सूर्यप्रताप शाही, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। इस दौरान बीएल संतोष ने मंदिर कार्यशाला में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बारे में विस्तृत चर्चा की। इसके बाद बीएल संतोष,

उपमुख्यमंत्री पाठक समेत कई पदाधिकारियों ने अयोध्या के कई स्थानों पर चल रही तैयारी का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद भाजपा श्रीराम जन्मभूमि दर्शन अभियान शुरू करेगी। इस अभियान के तहत देशभर से रामभक्त रामलाल का दर्शन करने अयोध्या आएंगे।

रामोत्सव 2024: वाराणसी के नमो घाट से अयोध्या धाम के लिए शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा

अयोध्या, 17 जनवरी। योगी सरकार राम भक्तों और पर्यटकों को हेलिकॉप्टर से अयोध्या धाम के दर्शन कराएगी। सरकार प्रदेश के 6 जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलीकॉप्टर सेवा की शुरुआत लखनऊ से करेंगे। सरकार की ओर से प्रदेश के 6 जिलों से शुरू होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा का किराया भी तय कर दिया गया है। राम भक्तों और पर्यटकों को हेलीकॉप्टर सेवा गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, मथुरा और आगरा से मिलेगी। वहीं आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जिलों से भी इस सुविधा को जल्द शुरू किया जाएगा। इतना ही नहीं, योगी सरकार श्रद्धालुओं को अयोध्या नगरी और राम मंदिर के हवाई दर्शन भी कराएगी। इसकी जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को दी गई है। इस सुविधा के लिए श्रद्धालुओं को पहले से बुकिंग करानी होगी। प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम भक्तों को हेलिकॉप्टर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये थे। इसी के तहत प्रदेश के 6 जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जा रही है। यह सुविधा भक्तों और पर्यटकों को ऑपरेटर मॉडल पर उपलब्ध करायी जाएगी। इसके अलावा राम भक्तों को राम मंदिर के एरियल दर्शन भी कराए जाएंगे। इसके लिए रामभक्त सरयू तट स्थित टूरिज्म गेस्ट हाउस के पास बने हैलीपेड से उड़ान भर सकेंगे। श्रद्धालुओं को राम मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट समेत प्रसिद्ध दर्शनीय स्थलों की हवाई सैर भी करायी जाएगी। इस हवाई सफर का अधिकतम समय 15 मिनट होगा जबकि प्रति श्रद्धालु किराया 3,539 रुपये तय किया गया है। इस सुविधा के जरिये एक हवाई सफर का लुत्फ 5 श्रद्धालु उठा सकेंगे। इसकी भार सीमा 400 किग्रा. है। वहीं एक श्रद्धालु अधिकतम 5 किग्रा. सामान के साथ सफर कर सकेगा। इसके अलावा श्रद्धालु गोरखपुर से अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भर सकेंगे। यह दूरी 126 किमी. की होगी, जिसे 40 मिनट में पूरा किया जाएगा। इसके लिए प्रति श्रद्धालु किराया 11,327 रुपये तय किया गया है। पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पहले चरण में राजधानी लखनऊ समेत 6 धार्मिक स्थलों से हेलिकॉप्टर सेवा की शुरुआत की जा रही है। वहीं आने वाले समय में मांग के अनुरुप सेवा का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु वाराणसी के नमो घाट से हेलीकॉप्टर की सेवा का लाभ ले सकेंगे।

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोतम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमाएं विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमाएं टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस : सार : '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत : भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत :प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।
आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत : प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत : अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय : आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत :प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि :स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत :प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत :प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत : अंत :प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन : जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक, कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं — मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

ऑस्ट्रेलिया ने रेनशॉ को बीबीएल में खेलने के लिए किया रिलीज

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बल्लेबाज मैट रेनशॉ को गोल्ड कोस्ट में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ ब्रिस्बेन हीट के लिए बीबीएल क्वालीफायर में खेलने के लिए रिलीज किया गया है। इससे अगर एडिलेड टेस्ट के तीसरे दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ किसी बल्लेबाज को सिर में चोट लग जाती है तो ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम को 24 घंटे तक कन्कशन रिप्लेसमेंट के बिना रहना पड़ेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की कि रेनशॉ एडिलेड से गोल्ड कोस्ट के लिए उड़ान भरेंगे और सुबह लौटेंगे। बता दें कि इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया को दो बार टेस्ट में कन्कशन सब्स्टीट्यूट की जरूरत पड़ी थी, लेकिन घरेलू मैदान पर कभी नहीं। मार्नस लाबुशेन 2019 में लॉर्ड्स में टेस्ट क्रिकेट में भूमिका निभाने वाले पहले खिलाड़ी थे। लाबुशेन पिछले साल वनडे क्रिकेट में भी कन्कशन सब थे जब दक्षिण अफ्रीका में कैमरून ग्रीन को चोट लगी थी। वहीं, रेनशॉ ऑस्ट्रेलिया के एकमात्र अन्य टेस्ट कन्कशन सब थे जब वह पिछले साल दिल्ली में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान वार्नर के स्थान पर आए थे।

कोपा डेल रे ; बिलबाओ, सेविला और मल्लोर्का क्वार्टरफाइनल में

बिलबाओ। असियर विलालिब्रे के दो गोल की मदद से एथलेटिक बिलबाओ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अलावेस के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-0 से जीत के साथ कोपा डेल रे के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 'द बफ़लो' उपनाम वाले बड़े स्ट्राइकर विलालिब्रे ने 28वें मिनट में बाएं पैर से ज़बरदस्त शॉट मारकर एथलेटिक को आगे कर दिया और इसके बाद 60वें मिनट में ऑस्कर डी मार्कोस के क्रॉस पर हेडर के जरिये गोल कर 2-0 के स्कोर के साथ जीत सुनिश्चित की।

एक अन्य मैच में, सेविला ने गेटाफे के खिलाफ मनोबल बढ़ाने वाली 3-1 की जीत के साथ अपने लीग संघर्षों को पीछे छोड़ा। सर्जियो रामोस ने गोलकीपर की गलती का फायदा उठाते हुए आठवें मिनट में गोल कर सेविला को आगे कर दिया, लेकिन 15 मिनट बाद 23वें मिनट में जैमे माता ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद इसहाक रोमेरो ने 48वें और 55वें मिनट में दो तेजी से गोल कर सेविला को 3-1 से जीत दिला दी। वहीं, साइल लारिन ने अतिरिक्त समय के अंतिम मिनट में गोल किया, जिससे मल्लोर्का ने कड़े मुकाबले के बाद टेनेरिफ़ के खिलाफ 1-0 से जीत के साथ अंतिम आठ में प्रवेश किया।

राशिद खान की वापसी पर अफगानिस्तान के कोच का बड़ा बयान आया सामने

बेंगलुरु । अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि भारत के खिलाफ अंतिम टी20 मैच से पहले स्टार स्पिनर राशिद खान की क्रिकेट के मैदान पर बहुप्रतीक्षित वापसी पर कोई 'समय सीमा' नहीं है। राशिद ने अफगानिस्तान के लिए आखिरी बार वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया था और तब से वह पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। श्रृंखला के अंतिम मैच से पहले ट्रॉट ने राशिद की संभावित वापसी के बारे में बात की और कहा, 'यह हमारे लिए यह सुनिश्चित करने का मामला है कि हम वास्तव में उसकी पीठ से सावधान रहें। वह इतना प्रभावशाली खिलाड़ी है, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह 100 प्रतिशत तैयार है और उस प्रकार की सर्जरी से उसे जल्दी वापस न ले लाएं। उसे समय देना महत्वपूर्ण है और वह कड़ी मेहनत कर रहा है और वह यहां टीम के साथ है।'

राशिद भारत के अपने पहले दौरे के लिए टीम के साथ चंडीगढ़ गए, लेकिन अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान ने पहले टी20आई की पूर्व संध्या पर संकेत दिया कि लेग स्पिनर अभी मैच-फिट नहीं है। ट्रॉट ने कहा, 'वह अफगान राष्ट्रीय टीम के प्रति बहुत भावुक और समर्पित है। जब वह तैयार हो जाएगा, तो वह मैदान पर उतरने वाला पहला व्यक्ति होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब कुछ ठीक है, उसे कुछ और चेक-अप करवाने हैं। ट्रॉट ने कहा, यह कोई वास्तविक समय सीमा नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह बाद में होने की बजाय जल्द ही होगी।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में पाकिस्तान को 45 रन से हराया, फिन एलन का शतक

डुनेडिन। फिन एलन (137) के शानदार शतकीय पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 45 रन से हराकर पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में 3-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली।

मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया। न्यूजीलैंड के शुरुआत खराब रही और डेवोन कॉन्वे 28 के कुल स्कोर पर केवल 7 रन बनाकर हारिस रऊफ का शिकार बने। इसके बाद एलन ने टिम सेफर्ट के साथ मिलकर तेजी से दूसरे विकेट के लिए 146 रन जोड़े। सेफर्ट ने 31 रन बनाए। इसके बाद न्यूजीलैंड के विकेट एक छोर से नियमित अंतराल पर गिरते रहे, लेकिन दूसरे छोर से फिन एलन की विस्फोटक बल्लेबाजी जारी रही। उनकी पारी का अंत जमान खान ने 18वें ओवर में किया, लेकिन तब तक एलन अपना काम कर चुके थे, उन्होंने 62 गेंदों पर 16 छक्कों और 5 चौकों की बदौलत 137 रनों की धमाकेदार पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 224 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 2, शाहिन अफरीदी, जमान खान, मोहम्मद नवाज और मोहम्मद वसीम जूनियर ने 1-1 विकेट लिया। 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम के लिए केवल बाबर आजम (58) ही कुछ संघर्ष कर सके। बूबर के अलावा मोहम्मद रिजवान (24) और मोहम्मद नवाज (28) ने छोटी-छोटी तेज पारियां खेलीं। पाकिस्तान की टीम 20 ओवरों में 7 विकेट पर 179 रन ही बना सकी और 45 रन से मैच हार गई। न्यूजीलैंड के लिए टीम साऊदी ने दो, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल सेंटनर और ईश सोढ़ी ने 1-1 विकेट लिया।

आईसीसी ने बांग्लादेशी ऑलराउंडर नासिर हुसैन पर लगाया दो साल का प्रतिबंध

दुबई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर नासिर हुसैन को 2020-21 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान अमीरात क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के उल्लंघन के लिए आईसीसी द्वारा दो साल के लिए सभी क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। वह 7 अप्रैल, 2025 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फिर से खेलने के पात्र होंगे। हुसैन पुणे डेविल्स फ्रेंचाइजी से जुड़े आठ लोगों में से एक थे, जिन पर सितंबर 2023 में आईसीसी द्वारा आरोप लगाए गए थे। उन्होंने अपने खिलाफ तीन आरोपों को स्वीकार कर लिया और दो साल का प्रतिबंध प्राप्त किया, जिसमें से वह छह महीने का निलंबन पूरा कर चुके हैं। आईसीसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के अनुसार, हुसैन के खिलाफ पहला आरोप यह था कि वह नामित भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी को उस उपहार की प्राप्ति के बारे में (बिना किसी अनावश्यक देरी के) बताने में विफल रहे, जो उन्हें दिया गया था और जिसकी कीमत 750 डॉलर से अधिक थी। दूसरा आरोप यह था कि हुसैन नामित भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी को भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए प्राप्त दृष्टिकोण या निमंत्रण का पूरा विवरण देने में विफल रहे।

और अंत में, संहिता के तहत उन्होंने संभावित भ्रष्ट आचरण के संबंध में नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी की जांच में सहयोग करने में, बिना किसी ठोस कारण के, विफल या इनकार कर दिया, जिसमें (बिना किसी सीमा के) किसी भी जानकारी और/या दस्तावेज़ीकरण को सटीक और पूरी तरह से प्रदान करने में असफल होना शामिल है। हुसैन ने बांग्लादेश के लिए 19 टेस्ट, 65 वनडे और 31 टी20 मैच खेले हैं। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जनवरी 2018 में था, वह हाल ही में मई 2023 तक घरेलू क्रिकेट खेल रहे थे।

एएफसी एशियाई कपः थाईलैंड नॉकआउट चरण में, सऊदी अरब ने ओमान को हराया

दोहा। सुपाचाई चैडेद के दो गोलों की बदौलत थाईलैंड ने मंगलवार को एएफसी एशियाई कप में किर्गिस्तान को 2-0 से शिकस्त दी, इसके साथ ही ग्रुप मैचों के पहले दौर की समाप्ति हुई। थाईलैंड ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपना पहला ग्रुप एफ मैच जीत लिया और टूर्नामेंट में अब तक तीन अंक हासिल करने वाली पहली दक्षिण पूर्व एशियाई टीम बन गई। यह जीत इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम की हार के बाद आई।

मैच का पहला गोल 26 वें मिनट में आया, जब सुपाचाई ने रिबाउंड को गोल में बदलकर थाईलैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। 25 वर्षीय फारवर्ड सुपाचाई ने मध्यांतर के तीन मिनट बाद एक और टैप-इन के साथ अपना दूसरा गोल किया। थाईलैंड, जो टूर्नामेंट के 2019 संस्करण के बाद पहली बार नॉकआउट चरण में पहुंचा, अब सऊदी अरब के साथ ग्रुप एफ में तीन अंकों के साथ शीर्ष पर है। सऊदी अरब ने मंगलवार रात ओमान पर 2-1 से जीत हासिल की। मैच के 14वें मिनट में सलाह अल याहयाई ने गोल किया, जिसे चुनौती दी गई और वीएआर समीक्षा के बाद इसे गोल करार दिया गया और ओमान ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

एशियाई कप के तीन बार के चैंपियन सऊदी अरब ने 78वें मिनट में बराबरी कर ली जब अब्दुलरहमान ग़रीब ने ओमान के तीन रक्षकों को छकाया और गेंद को नेट में डाल दिया। इंजरी टाइम के छठे मिनट में सऊदी अरब के लिए अली अल बुलाही ने क्लोज-रेंज हेडर के साथ स्कोर किया, जिसे शुरुआत में ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन बाद में वीएआर समीक्षा के बाद इसे गोल करार दिया गया और सऊदी अरब ने मैच 2-1 से जीत लिया। 12 जनवरी से 10 फरवरी तक चलने वाले एशियन कप में कुल 24 टीमें छह समूहों में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। छह ग्रुप विजेता और उपविजेता तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमों के साथ नॉकआउट चरण में आगे बढ़ेंगे।

दोस्त ने एमएस धोनी को अदालत में घसीटा, किया मानहानि का केस

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और भारत के महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी पर उनके पूर्व बिजनेस पार्टनर मिहिर दिवाकर और पत्नी सौम्या दास ने मानहानि का केस दायर किया है। इस जोड़ी ने गलत आरोप लगाकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। धोनी ने बीते दिनों ही अपने 2 पुराने बिजनेस पार्टनर के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। धोनी ने शिकायत में लिखा था कि उन्हें क्रिकेट एकेडमी खोलने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था, लेकिन उन्होंने इसे पूरा नहीं किया और 15 करोड़ रुपए हड़प लिए। अब दिवाकर और दास की शिकायत के अनुसार- धोनी द्वारा कथित तौर पर 15 करोड़ रुपए लेने के लगाए गए आरोप झूठे हैं। इस मामले की सुनवाई 18 जनवरी को हाईकोर्ट में होनी है।

आईपीएल के दिग्गज है धोनी

एमएस धोनी, जो चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान के रूप में पांचवीं ट्रॉफी जीतने के बाद आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे सफल कप्तान बन गए, ने वादा किया कि वह 2024 संस्करण में उन प्रशंसकों को वापस देने के लिए वापस आएंगे जिन्होंने सोचा था कि यह उनका विदाई वर्ष है। भारत के सभी स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग आये। सीएसके ने कैश-रिच लीग के 17वें संस्करण से पहले धोनी को रिटेन किया था और वह उत्साह के साथ अलविदा कहना चाहेंगे। धोनी ने अगस्त 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप 2019 सेमीफाइनल में अपने अंतिम मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया

नासिर हुसैन क्रिकेट के सभी प्रारूपों से प्रतिबंधित, 2025 से पहले वापसी असंभव

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी नासिर हुसैन को आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के आरोप स्वीकार करने के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से प्रतिबंधित कर दिया गया है। हुसैन पर सितंबर 2023 में आईसीसी द्वारा आरोप लगाया गया था, ने तीन आरोप स्वीकार कर लिए हैं और उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें छह महीने का निलंबन भी है। उनके खिलाफ आरोप 2021 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान की घटनाओं से जुड़े हैं, जहां उन्हें खिलाड़ियों, अधिकारियों और टीम मालिकों सहित सात अन्य व्यक्तियों के साथ भ्रष्टाचार से संबंधित गतिविधियों में फंसाया गया था। इन आरोपों में 750 डॉलर से अधिक मूल्य के उपहार की प्राप्ति का खुलासा करने में विफल रहना, भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए प्राप्त दृष्टिकोण या निमंत्रण का पूरा विवरण न देना और नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी (डीएसीओ) द्वारा की गई जांच में सहयोग करने से इनकार करना शामिल है। नासिर हुसैन ने सितंबर 2023 में आईसीसी द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को स्वीकार कर लिया और बाद में उन्हें सभी प्रकार के क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया। उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है, जिसमें छह महीने निलंबित रहेंगे, जो उनकी पेशेवर क्रिकेट यात्रा में एक महत्वपूर्ण विराम है।

चोट के ब्रेक ने मुझे एक बेहतर और अधिक परिपक्व खिलाड़ी बना दिया : सुमित नागल

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन का पहला राउंड जीता और 1989 में रमेश कृष्णन के बाद ग्रैंड स्लैम में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने के बाद, भारत में टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत की, उन्होंने पिछले कुछ महीनों में चोट से जूझने और इससे उन्हें कैसे मदद मिली, इस पर बताया, पिछले 12-18 महीने अच्छे और बुरे दोनों थे। मेरी चोट के कारण बुरा था, और

अच्छा इसलिए है क्योंकि मैंने अपने ब्रेक के दौरान बहुत कुछ सीखा। जब मैं चोट के बाद कोर्ट पर लौटा, तो इसने मुझे एक बेहतर और अधिक परिपक्व खिलाड़ी बना दिया। मैंने टेनिस को बहुत बेहतर तरीके से महसूस किया और समझा, और मुझे लगता है कि इसका फायदा कोर्ट को मिल रहा है। विश्व रैंक के 27वें नंबर के खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराने और अकल्पनीय उपलब्धि हासिल करने के बाद, सुमित ने आगामी खेल के लिए अपनी तैयारी को लेकर कहा, दूसरे दौर के मैच लिए योजना यह है कि इसे आराम से लें, कुछ मालिश करें, कुछ अतिरिक्त घंटे नींद लें। यह मेरे लिए एक बहुत ही सामान्य दिनचर्या है।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स : इटली को 5-0 से हराकर भारत सेमीफाइनल में

रांची। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स में मंगलवार को इटली को 5-0 से शिकस्त देकर भारत ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 18 जनवरी को फाइनल में जगह बनाने के लिए भारत का मुकाबला वर्ल्ड नंबर 5 की टीम जर्मनी से होगा। भारत और इटली के बीच आखिरी लीग मैच खेला गया जिसमें भारत ने 5-0 से जीत दर्ज की। मुकाबले के 45 वें सेकंड में भारत ने गोल कर इटली पर दबाव बना दिया। अपना 100वां अंतराष्ट्रीय मुकाबला खेल रही उदिता ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 1-0 की लीड दिलाई। पहले हॉफ का खेल खत्म होने तक भारत ने 1-0 की लीड लेकर इटली पर दबाव बनाए रखा। मुकाबले में इटली ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहीं। मुकाबले का दूसरा गोल 41 वें मिनट में आया। भारत को मिले पेनाल्टी स्ट्रोक को दीपिका ने लिया और गोल कर लीड को 2-0 किया।

झारखंड की सलीमा टेटे ने मुकाबले का तीसरा गोल किया। इटली की डिफेंस को छकाते हुए 45 वें मिनट में फील्ड गोल कर भारत को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। भारत ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए चौथा गोल दागा। नवनीत कौर ने 53 वें मिनट में शानदार फाइल गोल कर लीड को 4-0 कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। भारत के लिए पांचवा गोल पेनाल्टी कॉर्नर के रूप में आया। उदिता ने दिन का दूसरा गोल कर लीड को 5-0 पहुंचा दिया।

जिमबाब्वे आखिरी ओवर में 20 रन बनाकर दूसरा टी20 जीता, सीरीज बराबरी पर

कोलंबो । कोलंबो के मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ रोमांचक दूसरे टी20 में आखिरकार जिमबाब्वे की जीत हुई। जिमबाब्वे को 174 रन का टारगेट मिला था। उन्हें जीत के लिए आखिरी ओवर में 20 रन चाहिए थे तभी जोंगवे और मदांडे ने बड़े शॉट लगाकर अपनी टीम को 1 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। जिमबाब्वे की ओर से क्रेग इरविन ने 54 गेंदों पर 70, जोंवे ने 12 गेंदों पर 2 चौके और दो छक्कों की मदद से 25 तो क्लाइव मदांडे ने 5 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 15 रन बनाए। इससे पहले चरिथ असलंका के 69 रन और एंजलो मैथ्यूज के नाबाद 66 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को जीत के लिए 174 रनों का लक्ष्य दिया। श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 2 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए। पथुम निसंका पहले ओवर में एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कुसल परेरा दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर शून्य पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। कुसल मेंडिस भी 4 बनाकर आउट हो गए। सदीरा समराविक्रमा 16 रन पर वेलिंग्टन की गेंद पर मडांडे ने लपका। श्रीलंका ने 5 ओवर में 27 रन पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद चरिथ असलंका और एंजलो मैथ्यूज की जोड़ी ने श्रीलंका की पारी को संभालते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। चरिथ असलंका ने पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 39 गेंदों में 69 रनों की पारी खेली। उन्हें जॉन्वे ने विलियम्स के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद दसून शानका नौ रन बनाकर आउट हो गए। एंजलो मैथ्यूज ने 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 51 गेंदों में नाबाद 66 रन की पारी की बदौलत श्रीलंका ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजाराबानी और ल्यूक जॉन्गवे और 2-2 विकेट मिले। रिचर्ड एनगरावा और वेलिंग्टन मसाकाट्जा ने एक-एक बल्लेबाजों को आउट किया।

श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 2 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए।

रणजी में खेलकर सफेद गेंद से गेंदबाजी करने में दिक्कत नहीं होती : अर्शदीप सिंह

बेंगलुरु। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के तीसरे टी20 मैच से पहले भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पिछले एक साल में अपने प्रदर्शन पर बात की। अर्शदीप ने प्री प्रेस वार्ता में कहा कि पिछले 12 महीने मिश्रित रहे हैं क्योंकि इस दौरान मुझे अच्छे और बुरे दोनों चरणों का सामना करना पड़ा। मुझे प्रबंधन के साथ-साथ टीम का भी समर्थन मिला है और मैं हर दिन नई चीजें सीखने की कोशिश कर रहा हूं। एक टीम के रूप में, हम प्रत्येक की सफलता का आनंद ले रहे हैं। यदि भूमिकाएं परिभाषित हैं, तो खिलाड़ियों को ठीक से प्रदर्शन करने के लिए स्पष्टता मिलती है।

अर्शदीप ने कहा कि वह नियमित रूप से अपनी बल्लेबाजी पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह बल्ले से योगदान देने की कोशिश करते हैं और कठिन परिस्थितियों में चौका या छक्का लगाने की कोशिश करते हैं। अर्शदीप बोले- मैं अपनी बल्लेबाजी पर नियमित रूप से काम कर रहा हूं और पिछले गेम में मैं टीम शीट

के अनुसार 10 नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा था... मैंने सोचा था कि मैं 9 नंबर पर बल्लेबाजी करूंगा। मैंने इस बाबत बल्लेबाजी कोच से भी बात की थी। मैं टीम के लिए योगदान देने की कोशिश करता हूं, चाहे वह बाउंड्री हो, चाहे सिंगल हो। मैं संकट की स्थिति में चौका या छक्का मारने की कोशिश करता हूं। अर्शदीप ने कहा कि जब भी, जहां भी मुझे क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है मैं खेलता हूं। यह फर्क नहीं पड़ता कि खेल लाल गेंद का है या सफेद गेंद का। एक बात है कि जब आप रणजी में लाल गेंद से कई ओवर फेंककर आते हैं तो आपको सफेद गेंद से गेंदबाजी करते समय कोई समस्या नहीं होती। घरेलू टीम में मुझे खुली छूट मिली हुई है क्योंकि मैं दस या ग्यारह नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं और यहां भी (एक) को खुली छूट मिलती है, लेकिन मुझे यहां (भारत) कम मौके मिलते हैं।

अनुष्का शर्मा

और Virat Kohli को मिला राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण, इन स्टार्स को भी मिला न्योता

देशभर में इन दिनों अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा हो रही है। ऐसे में 22 जनवरी देश के लिए बहुत बड़ा दिन होगा। इस मौके पर देश की कई बड़ी-बड़ी हस्तियां शिरकत करने वाली हैं।

बॉलीवुड सेलिब्रिटीज से लेकर खेल जगत और बिजनेस तक इसमें शामिल होंगे। एक एक कर सभी को निमंत्रण भेजा जा रहा है। अब तक कई बॉलीवुड स्टार्स को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समारोह का निमंत्रण मिल चुका है। अब मंगलवार को लिस्ट में अनुष्का शर्मा और विराट कोहली का भी नाम शामिल हो गया है।

अनुष्का और विराट को मिला निमंत्रण

भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के समारोह का निमंत्रण अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को दिया है। सोशल मीडिया ङ्क पर अनुष्का-विराट की तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें दोनों हाथ में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण पत्र नजर आ रहा है। इतना ही नहीं श्रीराम मंदिर के पूजित अक्षत और चावलों को देशभर के कोने-कोने में भिजवाया जा रहा है।

अयोध्या में पैदा हुई थीं अनुष्का

अनुष्का शर्मा के लिए ये निमंत्रण बेहद खास है क्योंकि, उनका जन्म भी भगवान राम की नगरी अयोध्या में ही हुआ था। जी हां, एक्ट्रेस का जन्म अयोध्या के मिलिट्री अस्पताल में हुआ था। उनके पापा अजय कुमार शर्मा अयोध्या में इंडियन आर्मी की डोगरा रेजिमेंट में थे।

ये सेलेब्स होंगे शामिल

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण पत्र अब रजनीकांत, अमिताभ बच्चन रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, राम चरण, दीपिका चिखलिया, अरुण गोविल, अनुपम खेर, आयुष्मान खुराना, जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार, केजीएफ स्टार यश, चिरंजीवी, धनुष, प्रभास, माधुरी दीक्षित का भी नाम शामिल हैं। कहा जा रहा है कि इस खास मौके पर 8 हजार लोग इसमें शामिल हो सकते हैं।

'बबिता जी कहां हैं..?' पैपराजी के सवाल पर 'तारक मेहता' के जेठालाल का रिएक्शन वायरल हो गया

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड नूपुर शिखरे से पहले 3 जनवरी को कोर्ट मैरिज की, फिर उन्होंने धूमधाम से उदयपुर में दोबारा शादी रचाई. इसके बाद सभी सिलेब्रिटीज के लिए उन्होंने मुंबई में रिसेप्शन पार्टी रखी. इस पार्टी में कई बड़े सितारे पहुंचे. सलमान खान, रेखा, हेमा मालिनी, धर्मेंद्र, जैसी कई दिग्गज कलाकार महफिल की जान बने. इसके अलावा पॉवर कपल मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी भी पार्टी में नजर आए. सभी की वीडियोज सोशल मीडिया पर देखने को मिलीपार्टी में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल का किरदार निभाने वाले दिलीप जोशी अपनी पत्नी के साथ पहुंचे. उनकी पत्नी जयमाला जोशी को बहुत कम लोगों ने ही देखा है. कपल को देखकर पैपराजी ने उनसे मजाक में पूछा- 'बबीता जी कहां हैं..' इस पर दिलीप ने ऐसा जवाब दिया कि वहां हंसी के ठहाके लग गए. इसके साथ ही उनकी पत्नी भी जोर से हंसने लगी. उन्होंने कहा- 'और कहां अपने घर पर ही होंगी'. अब उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसे वीरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है इस वीडियो पर लोग मजेदार कमेंट्स भी कर रहे हैं.

दिलीप जोशी पार्टी में ब्लैक कलर की शेरवानी में नजर आए. उनकी पत्नी ने भी ब्लैक कलर के आउटफिट को ही कैरी किया था. दोनों ने साथ में पोज दिए. दोनों की जोड़ी काफी अच्छी लग रही थी. बता दें कि दिलीप जोशी 15 सालों से चल रहे शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल के किरदार को अदा करते हुए आ रहे हैं. शो से कई एक्टर आए और गए. लेकिन वो अपने पुराने किरदार को शुरू से लेकर अब तक अच्छे से निभा रहे हैं. शो में उनको खूब पसंद किया जाता है. शो में बबिता जी के साथ उनकी अलग केमेस्ट्री दिखाई जाती है. बाबिता जी की भूमिका में मुनमुन दत्ता हैं. दोनों को खूब पसंद किया जाता है.

टूट गया निकिता गांधी का सपना, एक हफ्ते में हुई शो से बाहर

सोनी टीवी के डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' से सिंगर निकिता गांधी बाहर हो गईं हैं. निकिता ने पिछले हफ्ते बतौर वाइल्ड कार्ड झलक में एंट्री की थीं. उनके साथ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा, मनीषा रानी, आवेज दरबार, एक्टर सागर पारेख और आरजे ग्लेन सलदाना भी शो में शामिल हुए थे. एक हफ्ते जजों के सामने परफॉर्म करने के बाद जनता के वोट्स और जजों के स्कोर्स को मद्देनजर रखकर मलाइका अरोड़ा, फराह खान और अरशद वारसी ने सिंगर निकिता गांधी को शो से बाहर करने का फैसला ले लिया.दरअसल 'झलक दिखला जा' में जिन दो कंटेस्टेंट को सबसे कम वोट्स मिलते हैं, उन दोनों के बीच डांस का आखिरी मुकाबला होता है. इस हफ्ते सिंगर निकिता गांधी के साथ भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पत्नी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा भी बॉटम 2 में थीं. दोनों के बीच हुए डांसिंग 'फेस ऑफ' में धनश्री को जजों की तरफ से 25 मार्क्स मिले तो निकिता गांधी को सभी जजों ने22 मार्क्स दिए. 3 मार्क्स की वजह से धनश्री ये बाजी जीत गईं और निकिता को शो से बाहर होना पड़ा.

आवेज दरबार भी हो सकते हैं शो से बाहर

निकिता के बाद आवेज दरबार के फैंस के लिए भी 'झलक' के सेट से बुरी खबर आ रही है. अचानक तबियत बिगड़ने की वजह से आवेज इस हफ्ते जजों के सामने परफॉर्म नहीं कर पाए. सूत्रों की मानें तो शायद आवेज खराब तबीयत की वजह से शो से इमरजेंसी एग्जिट ले सकते हैं. उनके इस फैसले से सिर्फ उनके फैंस ही नहीं बल्कि शो के जज भी काफी निराश हुए हैं, क्योंकि आवेज के डांस से प्रभावित होकर मलाइका अरोड़ा, अरशद वारसी और फराह खान के पैनल ने उन्हें सीधे इस शो में एंट्री करने की अनुमति दी थी.

लक्षद्वीप के सपोर्ट में उतरीं

उर्वशी ढोलकिया

पोस्ट में कर दी ये गलती, हुईं ट्रोलर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप ट्रिप ने देशभर का ध्यान खींचा। विदेश में भी पीएम के इस विजिट की चर्चा रही। मामला तब विवाद में बदल गया जब मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इसके बाद पूरा भारत प्रधानमंत्री के पक्ष में उतर आया इसके साथ ही मालदीव छोड़ लक्षद्वीप टूरिज्म को बढ़ावा देने की मांग उठने लगी। बॉलीवुड के कई स्टार्स ने भी अपना समर्थन दिया। फिल्म के साथ क्रिकेट जगत के भी दिग्गजों ने सपोर्ट किया। अब एक नामी टीवी एक्ट्रेस भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

क्यों ट्रोल हुईं उर्वशी ?

उर्वशी ढोलकिया ने अपने लक्षद्वीप ट्रिप का वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, उस वक्त के बारे में जब मैं लक्षद्वीप में थी। बेहद खूबसूरत जगह है। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट में लक्षद्वीप की स्पेलिंग लिखने में गलती कर दी। उन्होंने LAKSHADWEEP की जगह LAKSHDWEEP लिख दिया। उर्वशी रौतेला की इस गलती पर एक यूजर की नजर पड़ गई। पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए यूजर ने कमेंट किया, ये LAKSHADWEEP है ना कि LAKSHDWEEPD"

रणवीर सिंह से हुई गलती

लक्षद्वीप को लेकर अब तक कई स्टार्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। इनमें कुछ लक्षद्वीप की जगह मालदीव की फोटो शेयर करने की वजह से ट्रोल भी हुए थे। इनमें रणवीर सिंह का नाम शामिल है। हालांकि, उन्होंने ट्रोलिंग के बाद अपनी पोस्ट डिलीट कर दिया था।

बिग बी ने किया सपोर्ट

लक्षद्वीप मामले में अमिताभ बच्चन ने भी एक्स पर अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा, हमारी अपनी चीजें सबसे अच्छी हैं .. मैं लक्षद्वीप और अंडमान गया हूं और वे आश्चर्यजनक रूप से सुंदर जगहें हैं .. हैरान करने वाले पानी के बीच और अंडरवाटर एक्सपीरियंस का अनुभव है बिल्कुल अविश्वसनीय है.. हम भारत हैं , हम आत्मनिर्भर हैं , हमारी आत्मनिर्भरता पे आंच मत डालिये।